

तय समय से पहले केरल पहुंचा मानसून...

16 साल में सबसे जल्दी भारत में दस्तक



नई दिल्ली। केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। यह अपने तय समय से करीब एक सप्ताह पहले चल रहा है। इस साल केरल में मानसून का आगमन पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्दी हुआ है। राज्य में मानसून के आगमन के लिए सभी अनुकूल परिस्थितियां तैयार हो गई थीं। पिछले दो दिनों में केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। यह कम दबाव वाले क्षेत्र और आगे बढ़ते मानसून सिस्टम के संयोजन के कारण हो रहा है। पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में पहुंचा था। तब यह 23 मई को राज्य में पहुंचा था।

आमतौर पर मानसून केरल में 1 जून को दस्तक देता है। हालांकि, सबसे पहले 1918 में 11 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दे दी थी। देरी से मानसून के आने का रिकॉर्ड 1972 में था, जब मानसूनी बारिश 18 जून से शुरू हुई थी। पिछले 25 वर्षों में सबसे देरी से मानसून का आगमन 2016 में हुआ था, जब मानसून ने 9 जून को केरल में प्रवेश किया था। दक्षिणी राज्यों में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुनिवार को केरल, तटीय-दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से भारी वर्षा की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा कि 29 मई तक केरल और तटीय कर्नाटक में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

बीते साल 30 मई को मानसून ने दी थी दस्तक

दक्षिण कोंकण तट के पास पूर्व-मध्य अरब सागर पर एक दबाव बना है। यह 24 मई की सुबह रत्नागिरी से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित था। इसके पूर्व की ओर बढ़ने और आज सुबह रत्नागिरी और दापोली के बीच तट को पार करने की उम्मीद है। पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में मानसून ने दस्तक दी थी। 2023 में मानसून 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को, 2020 में 1 जून को, 2019 में 8 जून को और 2018 में 29 मई को केरल पहुंच था। आईएमडी ने अप्रैल में 2025 के मानसून सीजन में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान लगाया था। इसमें अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया गया था। अल नीनो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा से के लिए जिम्मेदार होता है।

पाक पर माँस्को में गरजे भारतीय सांसद परमाणु हथियारों की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

मास्को। रूस की यात्रा पर पहुंची द्रविड मुनेत्र कणगम (DMK) सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी नेतृत्व के समक्ष आतंकवाद काई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति दोहराई है और इस बात पर जोर दिया है कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। माँस्को में शुक्रवार को अपनी बैठकों के दौरान, दोनों पक्षों ने आतंकवाद विरोधी उपायों को मजबूत करने और सभी रूपों और अभियंतियों के आतंकवाद को खत्म करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। मास्को में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संसद के दोनों सदनों के अलावा थिंक टैंकों सहित कई बैठकें कीं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा वैश्विक आतंकवाद विरोधी ढांचे को मजबूत करने और बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के भारत के लंबे समय से चले आ रहे प्रयास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से हो रही है। प्रतिनिधिमंडल ने फेडरेशन काउंसिल की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के प्रथम उपाध्यक्ष एंड्री डेनिसोव और अन्य सीनेटर्स के साथ बातचीत की।



भारतीय पक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर की ओर ध्यान आकर्षित किया

बातचीत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में कानूनी स्तर पर एकमत कायम करने पर केंद्रित थी। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में प्रतिक्रिया के रूप में ऑपरेशन सिंदूर की ओर ध्यान आकर्षित किया। बाद में, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टेट ड्यूमा की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लट्स्की के साथ बैठक की और स्टेट ड्यूमा के सदस्यों के साथ बातचीत की। दोनों पक्षों ने भारत-रूस संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और समय की कसौटी पर खरे साबित होने की प्रकृति की पुष्टि की, जो आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित है। चर्चाओं में वैश्विक सुरक्षा वास्तुकला, उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और बहुपक्षीय सहयोग सहित कई मुद्दों को शामिल किया गया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की अनिवार्यता को रेखांकित किया, जिसमें आतंकवादी संस्थाओं को सुरक्षित पनाहाह, वित्तपोषण और राजनीतिक औचित्य से वंचित करने के लिए विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय

तंत्र की आवश्यकता शामिल है।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संघ के उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेको से मुलाकात की और बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साझा प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक

पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखा

टोक्यो(आईएनएस)। टोक्यो पहुंचे भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया है कि दौरा सफल रहा है। पूर्व कानून मंत्री और प्रतिनिधिमंडल के अहम सदस्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुशीद ने कहा कि जापान, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा

न्यूज एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए सलमान खुशीद ने कहा, "दौरा बेहद सफल रहा। हम सभी एक साथ यहां हैं। यह अपने आप में एक बड़ी सफलता है। हमने जिनके सामने अपना पक्ष रखा उनसे बेहद अच्छा रिसांस मिला। विशेषकर आतंकवाद के मुद्दे पर जापान हमारे साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद के मुद्दे पर हम जिनसे

भी मिले उनसे अभूतपूर्व समर्थन मिला। हम यहां से खुशी-खुशी लौट रहे हैं।"

जापान में भारत के राजदूत सीबी जॉर्ज ने आईएनएस से बातचीत में कहा, "जापान पहला देश है जहां हमारा प्रतिनिधिमंडल आया। 2 दिन पहले प्रतिनिधिमंडल पहुंचा था। पहुंचने के साथ ही बैठकों का दौर लगातार चल रहा है। हमने जापान के विदेश मंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री सुगा, संसद अध्यक्ष, और कई समितियों के प्रमुखों से मुलाकात की। हमारा प्रस्ताव और उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था कि आतंकवाद पर हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है और मुझे खुशी है कि हमने जिस भी मंच पर अपनी बात रखी, भरपूर समर्थन मिला।"

प्रतिनिधिमंडल ने कट्टरपंथ के मार्गों, आतंकवादी समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गलत सूचना तंत्र और क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाले देशों द्वारा प्रायोजित प्रचार पर विस्तृत चर्चा की।

'पाकिस्तान ने किया सिंधु जल संधि के सिद्धांतों का उल्लंघन' विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सिंधु जल संधि स्थगन को लेकर संसदीय समिति को जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के सिद्धांतों का उल्लंघन किया। इसलिए भारत ने संधि को स्थगित करने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इंजीनियरिंग तकनीक, जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से जमीनी हालात में आए बदलावों के कारण संधि की शर्तों पर फिर से बातचीत



करना जरूरी हो गया है। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने ब्रीफिंग में कहा कि 1960 की संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे सद्भावना और मित्रता की भावना के आधार पर तैयार किया गया है। लेकिन पाकिस्तान ने इन सभी



नई दिल्ली। कांग्रेस ने नीति आयोग की बैठक पर तीखा हमला बोलते हुए इसे अयोग्य निकाय बताया और कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि पाखंड और भेदभाव बढ़ाने वाली कवायद है। कांग्रेस के संचार प्रभारी और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर शुनिवार को हो रही नीति आयोग की बैठक पर सवाल खड़े किए। नीति आयोग की गर्वनिंग काउंसिल की यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रही है, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा करना है।

'ये कैसा विकसित भारत होगा...'

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये कैसा विकसित भारत होगा अगर जो लोग सत्ता में बैठे हैं, वो ही देश के सामाजिक सद्भाव को अपने शब्दों और कर्मों से तबाह करने लेंगे? ये कैसा विकसित भारत होगा, अगर सत्ता में बैठे लोग ही अपने नापाक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संसद, न्यायपालिका, विश्वविद्यालयों, मीडिया और सैवधानिक संस्थाओं को कमजोर करेंगे? कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि 'ये किस तरह का विकसित भारत होगा, अगर जिन मूल्यों के लिए हमेशा भारत खड़ा रहा, उन्हें ही संस्थागत तरीके से खत्म किया जाएगा? ये किस तरह का विकसित भारत होगा, जहां

आर्थिक असमानता होगी और धन सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित रहेगा? अगर भारत की गौरवशाली विविधताओं का जानबूझकर अपमान किया जाएगा और उन्हें खत्म करने की कोशिश होगी?"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुनिवार को नीति आयोग की गर्वनिंग काउंसिल की 10वीं बैठक हो रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री नई दिल्ली पहुंचे हैं। इस बैठक में इस बात पर चर्चा हो रही है कि राज्य किस तरह से विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं। बैठक की थीम 'विकसित भारत 2047 के लिए विकसित राज्य' है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली शीर्ष स्तरीय बैठक है, जिसमें पीएम मोदी शामिल हुए हैं।

रूस-यूक्रेन ने की कैदियों की अदला-बदली

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम असफल रहने के बाद हमले जारी हैं। शुनिवार सुबह रूस ने यूक्रेन ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। इस बीच दोनों देशों ने सैकड़ों और कैदियों की अदला बदली की। दोनों देशों से 307 सैनिक रिहा किए गए। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की और रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने 307 और सैनिकों को वापस बुलाया। जबकि एक दिन पहले दोनों पक्षों ने 390 लोगों को रिहा किया था। पिछले हफ्ते इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत के पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। यह समझौता तीन साल पुराने युद्ध में युद्ध विराम तक पहुंचने के असफल प्रयासों के बीच सहयोग जैसा था।

भारत के 'वॉटर बम' से पाक में बजा तबाही का अलार्म

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के फैसले ने पाकिस्तान की राजनीति में भूचाल ला दिया है। पाकिस्तान के विपक्षी सांसद और इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता सैयद अली ज़फ़र ने इसे 'वाटर बम' करार दिया है। पाकिस्तान संसद में ज़फ़र ने कहा कि अगर पानी का संकट हल नहीं हुआ तो पाकिस्तान के लोग भूख से मर जाएंगे। उन्होंने सिंधु बेसिन को पाकिस्तान की जीवनरेखा कहा है।

शुक्रवार को सीनेट सत्र के दौरान विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता ज़फ़र ने आगाह करते हुए कहा, अगर हम अभी जल संकट का समाधान नहीं करते हैं तो हम भूख से मर जाएंगे। सिंधु बेसिन हमारी जीवन रेखा है क्योंकि हमारा तीन-चौथाई पानी देश के बाहर से आता है। 10 में से नौ लोग अपने जीवन के लिए सिंधु जल बेसिन पर निर्भर हैं। हमारी 90 प्रतिशत फसलें इसी पानी पर निर्भर हैं और हमारी सभी बिजली परियोजनाएं और बांध इसी पर बने हैं। उन्होंने कहा, यह हमारे



ऊपर लटक के पानी के बम की तरह है। और हमें इसे निष्क्रिय करना होगा।

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद भारत ने सिंधु नदी जल संधि को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। भारत ने कहा, जब तक पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद नहीं रोकता है तब तक खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। विदेश सचिव विनय कान्ना के नेतृत्व में भारत ने 7 देशों में विशेष कूटनीतिक टीमें भेजी हैं ताकि पाकिस्तान के पीड़ित देश वाले दावे को नकारा जा सके।

संधि का महत्व और असर

1960 में हुई सिंधु जल संधि छह नदियों- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास और सतलज डूब के जल बंटवारे को तय करती है।

देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले, अस्पताल अलर्ट पर



नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल

से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं। हालांकि सभी मामले गंभीर हैं। आइए इन प्वाइंट में समझते हैं कोरोना का खतरा कैसे बढ़ रहा है?

जानिए कैसे बढ़ रहा खतरा

1. JN.1 वैरिएंट के प्रसार के कारण
2. दक्षिण एशिया में कोविड के मामलों में

उछाल ओमिक्रॉन ड्यूह.1 वैरिएंट के प्रसार के कारण आया है। डॉक्टर बता रहे हैं कि वैरिएंट काफी है सक्रिय है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंताजनक वैरिएंट घोषित नहीं किया है।

2. चार दिन में ठीक हो जाता है व्यक्ति

मौजूदा कोविड मरीजों में आमतौर पर हल्के लक्षण आ रहे हैं। संक्रमित व्यक्ति चार दिन में ठीक हो जाता है। इसके सामान्य लक्षण बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, थकान और थकावट शामिल हैं।

3. दिल्ली में 23 मामले सामने आए दिल्ली में कोरोना वायरस के 23

मामले सामने आए हैं। इसके बाद भाजपा सरकार ने अस्पतालों को बेड, ऑक्सीजन सिलिंडर, टेस्टिंग किट और वैक्सीन को उपलब्धता बनाए रखने का निर्देश दिया है।

4. स्वास्थ्य मंत्री बोले- इम्फ्लूएंजा जैसा है वैरिएंट

स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि नया वैरिएंट सामान्य इम्फ्लूएंजा जैसा है। दिल्ली के अस्पतालों को इम्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और श्वसन बीमारी के मामलों को एकीकृत स्वास्थ्य डटा लैटेंटर्म्स पर दैनिक रूप से अपलोड करने का भी निर्देश दिया है।

न्यूज गैलरी

दिव्यांगजनों को मिली ढीलचेयर एवं बैटरी चलि़त ट्रायसायकल, खिले चेहरे



कांकेर /नवप्रदेश। समाज कल्याण विभाग के परिसर में आज चार दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय की गई। उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि ग्राम पंचायत सुरेली की कुरि़तु कोमरे को व्हील चेयर ग्राम मावलीपारा भैंसगांव के दुकारूराम गावड़े को बैटरीचलित ट्रायसायकल, ग्राम हटकाचारामा की कु. मनीषा गोटा को स्मार्ट फोन और ग्राम ताड़ोकी निवासी रामसाय नवगों को बैटरीचलित ट्रायसायकल प्रदाय की गई। सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर जनपद पंचायत कांकेर की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा कावड़े सहित श्री कमलेश उप्पेण्डी ईश्वर सिंह कावड़े उत्तम जैन टाकेश्वर जैन और अनिल कौशिक उपस्थित थे।

छात्रावास/आश्रमों हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सक से आवेदन आमंत्रित

एमसीबी /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, मंत्रालय, रायपुर द्वारा विभागीय छात्रावास/आश्रमों में निवासरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए +स्वस्थ तन स्वस्थ मन (स्वास्थ्य सुविधा) योजना वर्ष 2007 के प्रावधान अन्तर्गत शिक्षा सत्र 2025-26 में जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता वाले छात्रावास/आश्रमों में चिकित्सीय परीक्षण स्थानीय स्तर पर अनुबंध के आधार पर किये जाने हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सक (एमबीबीएम/बीएएमएस) से शर्तों के अधीन 09 जून 2025 सायं 5:30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है। नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए कार्यालय आदिवासी विकास विभाग अथवा जिले के वेबसाईट <https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/> पर अवलोकन किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के संबंध में दावा आपत्ति आमंत्रित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय किरन्दुल से प्राप्त जानकारी अनुसार कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना किरन्दुल, दिनांक 25 अप्रैल 2025 के द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। प्राप्त आवेदन का निर्धारित मापण्डव अनुहार पैन्ल तैयार किया जा चुका है। जिसका मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण भी किया जा चुका है।अतः पैन्ल सूची परियोजना कार्यालय किरन्दुल एवं जनपद पंचायत कुआकोंड तथा संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जा रहा है। जिसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि होने संबंधी सुधार हेतु अभ्यार्थियों से दावा आपत्ति प्रकाशन दिनांक के 10 दिवस के भीतर दावा आपत्ति आमंत्रित की जा रही है। ताकि वरियता के आधार पर नियुक्ति कार्यवाही को अंतिम रूप दिया जा सके। समय सीमा के भीतर आवेदन प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विचार नहीं की जायेगी।

समाधान शिविरों का आयोजन अब 30 मई तक कलेक्टर ने किया संशोधित आदेश जारी

कांकेर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आम जनता की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा सुशासन तिहार शिविर आयोजन हेतु संशोधित तिथि का आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार आगामी 28 मई को जनपद पंचायत कांकेर क्लस्टर कलमुच्चे के ग्राम तुलतुली, कलमुच्चे, वलतुलसी, पीछापाल, कानागाव, मुरागाव, पुसाझर, बुधियारमारी, भैंसगांव, मुजालगोंदी और टोन्डभारका में समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

इसी प्रकार 29 मई को जनपद पंचायत दुर्गुंदोदेल क्लस्टर पचांगी के ग्राम पचांगी, चिखली, हामतवाही,

सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले तीन महीनों में शुरू किए 18 नए नवाचार

एमसीबी /नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग ने देश में सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए पिछले तीन महीनों में 18 नए नवाचार प्रारंभ किए हैं। इनमें सुविधाजनक मतदान से लेकर राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने, प्रक्रियागत सुधार से लेकर निर्वाचन कार्यों में लगे अमलों की क्षमता बढ़ाने, सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को सुगम एवं पारदर्शी बनाने से लेकर ईसीआई मुख्यालय में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने जैसे कई प्रभावी और अभिनव कदम शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने नई पहल करते हुए एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा निर्धारित की है। ऊंची इमारतों एवं कालोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। मतदाता सूची के अद्यतनीकरण



हेतु मृत्यु पंजीकरण का डेटा रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (न्रतुड) डेटाबेस से सीधे प्राप्त किया जाएगा और सत्यापन के बाद अद्यतनीकरण किया जाएगा। आयोग ने मतदाता सूचना पंचियों को ज़रूरी अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने का भी निर्णय लिया है। अब इसमें मतदाता का क्रमांक और भाग संख्या अधिक स्पष्टता के साथ प्रदर्शित किए जाएंगे।भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया में हर स्तर पर राजनीतिक दलों की

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर तिरंगामय हुई नरेला विधानसभा

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

भोपाल/नवप्रदेश। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में नरेला विधानसभा में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना के सम्मान में शनिवार को नरेला विधानसभा के 4 मंडलों में नागरिकों ने तिरंगा यात्रा निकाली।

मुख्य तिरंगा यात्रा राजधानी के 'अशोक' गार्डन दशहरा मैदान से प्रारंभ हुई और विभिन्न मार्गों से होते हुए परिहार चौराहे पर पहुंची। जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवावर्ग और महिलाएं शामिल रहीं।



नागरिकों ने यात्रा का भारी पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि तिरंगा केवल

एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की एकता, संकल्प और शक्ति का प्रतीक है। यह यात्रा हमारी सेना के वीर जवानों को समर्पित है,

जिन्होंने देश के दुश्मनों को उनके ही घर में घुसकर नेस्तनाबूद कर दिया।

यात्रा के दौरान भारत माता के जयकारों और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा क्षेत्र गुंज उठा। हाथों में तिरंगा थामे चल रहे युवाओं के उत्साह ने सम्पूर्ण वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर नये भारत के सामर्थ्य का प्रतीक

यात्रा के दौरान मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद को उसकी ही जमीन

पर करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर नये भारत के सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में

घुसकर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया है। यह ऑपरेशन सिद्ध करता है कि आज का भारत आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही करने में सक्षम है।

नरेला हुई तिरंगामय, गुंजे भारत माता के जयकारे

नरेला विधानसभा के सम्राट अशोक, नेताजी सुभाष, स्टेशन और महामाई मंडल में एक साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्राओं में हजारों की संख्या में आम नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और युवाओं ने भाग लिया। लोग मोहल्ले व कॉलोनियों में विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य चौराहों पर पहुंचे।

एमपी सराफा एसोसिएशन की भोपाल में बैठक: प्रदेश पदाधिकारियों का चयन

भरगट संरक्षक-सराफ अध्यक्ष बने

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश सराफा एसोसिएशन की प्रादेशिक बैठक भोपाल में हुई। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। जिसमें मौजूदा कार्यकारिणी को ही आगे भी दायित्व सौंपे जाने का निर्णय लिया गया। इसलिए कोर कमेटी के सभी सदस्यों में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी को पुनः चुना।

इसके बाद मध्यप्रदेश सराफा एसोसिएशन के प्रदेश संरक्षक झमक भरगट रत्नलाम, प्रदेश अध्यक्ष राजा सराफ जबलपुर, प्रदेश महासचिव देवीलाल सोनी अगर, प्रदेश कोषाध्यक्ष संजीव गर्ग (गांधी) भोपाल, प्रदेश उपाध्यक्ष निर्मल वर्मा धुंघरु इंदौर, प्रदेश सहसचिव नरेंद्र रोड़ा विदिशा, प्रदेश कोषाध्यक्ष रविंद्र सोनी उज्जैन का सर्वसम्मति से पुनः चयन किया गया।



पदाधिकारियों का स्वागत किया

भोपाल सराफा एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य नरेश अग्रवाल, सुशील धनवानी, विजय वर्मा, आनंद सोनी, रितेश अग्रवाल, सुमंत सोनी, राजेश सोनी, योगेश सोनी, विनीत सिंघल, विक्रम सोनी सागर, राजकुमार सराफ विदिशा आदि ने पदाधिकारियों का सम्मान किया। वहीं, नवचयनित पदाधिकारियों ने एक सप्ताह में प्रदेश की संपूर्ण

कार्यकारिणी घोषित करने की बात कही।

व्यापारियों के लिए सेमिनार होगा

आगामी महीनों में मध्यप्रदेश सराफा एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रदेश के बड़े शहरों में सराफा व्यापारियों को जागरूक एवं शासन की नीतियों से व्यापारियों को अपडेट करने के लिए सेमिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

सराफा व्यापार में एमसीएक्स के महत्व को समझाने के लिए नवीन मुद्रभटकल बाबू ने व्यापारियों को समझाझा दी। साथ ही वैश्विक स्तर पर सोना-चांदी के भाव में हो रही तेजी-मंदी से होने वाले नुकसान को अपने व्यापार को कैसे बचाया जाए एवं अपने व्यापार में मुनाफे को कैसे सुरक्षित रखा जाए, इसके बारे में जानकारी दी गई।

आतंकियों की नहीं पढ़ाई जाएगी जनाजा नमाज



AIIO चीफ इमाम बोले- भारत

में दफनाएंगे भी नहीं, ऑपरेशन सिंदूर देश के लिए गर्व की बात

ग्वालियर/नवप्रदेश। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम उमर अहमद इलियासी ने शनिवार को आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के जनाजा की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी और उन्हें भारत की धरती पर दफनाया भी नहीं जाएगा। ग्वालियर पहुंचे इलियासी ने शनिवार को पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और कड़ा जवाब दिया है, जो देश के लिए गर्व की बात है।

बलूचिस्तान की आजादी का समर्थन

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचारों का जिक्र करते हुए इलियासी ने कहा कि वहां महिलाओं, बच्चों और पुरुषों पर अत्याचार हो रहा है, जो पूरी तरह से गलत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी आजादी का हक है और बलूचिस्तान को भी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। इलियासी ने आतंकवादी संगठनों द्वारा इस्लाम धर्म के नाम पर किए जा रहे गलत प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्लाम शांति, प्रेम और सहिष्णुता का धर्म है, न कि आतंकवाद का।

लव जिहाद और नाम छुपाकर शादी करने पर चिंता

मध्य प्रदेश में बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों पर इलियासी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ लोग नाम छुपाकर और पहचान छुपाकर शादी करते हैं, जो गलत है। इलियासी ने कहा कि भारत ने कई आतंकवादी अड्डे खत्म कर दिए हैं और अब बाकी बचे अड्डों को भी खत्म करने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इसे जल्द से जल्द भारत में वापस शामिल किया जाना चाहिए।

परिजन बोले-कमर के निचले हिस्से तक मिट्टी हटी थी; शवों के साथ कुछ तो गलत हुआ

खंडवा/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां दो अलग-अलग कब्रिस्तानों में छह महिलाओं की कब्रों के साथ छेड़छाड़ की गई। मंगलवार को यह मामला तब सामने आया जब एक व्यक्ति अपनी मां की और दूसरा युवक पत्नी की कब्र पर फातिहा पढ़ने गया। पुलिस को कब्र खोदकर तार्किक क्रिया होने का शक है। वहीं परिजनों का कहना है, कब्र के आसपास तंत्र क्रिया से जुड़ी कोई सामग्री नहीं मिली। कब्र के अंदर पैरों तक कफन खुला मिला है। कब्रों में दफन महिलाओं के शवों के साथ कुछ गलत होने

की आशंका परिजनों ने जाहिर की है।

फातिहा पढ़ने गया तो खुली हुई मिली थी कब्र

मंगलवार सुबह एक युवक, पत्नी की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए आया था। यहां उसने देखा कि पैरों की तरफ से कब्र का फर्श हटा हुआ था। मिट्टी निकाली हुई थी। शख्स ने भीतर झांका तो पैरों तक कफन खुला मिला। शरीर का आधा हिस्सा अस्त-व्यस्त था। पत्नी की कब्र के साथ कुछ गलत होने की आशंका को देखते हुए कब्रिस्तान में कब्र खोदने वाले अब्दुल रहमान को बुलाया। थोड़ी देर में पता चला कि एक नहीं बल्कि उसी कब्रिस्तान में दो और महिलाओं की कब्र खुदी पड़ी हुई थीं।

समाज के लोग इकट्ठा हुए तो पुलिस को सूचना दी गई। सीएसपी और तहसीलदार मौके पर

पहुंचे। इधर लोगों का आक्रोश शांत हुआ ही था कि शहर से सटे सिहाड़ा गांव के कब्रिस्तान में भी 3 महिलाओं के कब्र खुदे होने की सूचना मिली। मंगलवार देर रात दो थानों की पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने का मामला दर्ज कर लिया। बुधवार के दिन पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साइबर एक्सपर्ट मोबाइल टावर से इस क्षेत्र में मूवमेंट करने वाले लोगों को ट्रेस कर रही है। एक शख्स ने बताया कि शनिवार रात को मेरी पत्नी को दफनाया गया था। पत्नी की उम्र करीब 60 साल होगी। हम लोग कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए रोज आ रहे हैं। मंगलवार के दिन भी कब्रिस्तान आने वाले थे कि कब्र खोदने वाले रहमान का फोन आया उसे बताया गया कि कब्र के साथ छेड़छाड़ हुई है। जैसे ही हम कब्रिस्तान पहुंचे। देखा कि मेरी पत्नी की कब्र की पैर वाले हिस्से की फर्श खुली हुई थी। चटाई भी हटी हुई थी। मैंने कब्र पर फर्श रखकर ढांकने की कोशिश की तो पैर तिरछा दिख रहा था। वहीं कब्र में लिटाते समय सीधा लेटाकर मुंह व शरीर के कुछ भाग को पश्चिम दिशा की तरफ करते हैं। जरूर कुछ गलत काम हुआ है। यह तार्किक क्रिया नहीं बल्कि कुछ गलत होने की संभावना है। प्रशासन को सख्त एक्शन लेना चाहिए। तंत्र क्रिया करने वाले एक जानकार ने बताया कि तंत्र क्रिया वाले पुरानी व फूटी हुई कब्र का इस्तेमाल करते हैं। कब्र के गड्ढे में तंत्र क्रिया का सामान रखते हैं। इस तरह से कब्र को खोलते नहीं हैं। यह काम मृत महिलाओं के साथ गलत काम करने की नीयत से कोई पैरों के पास की फर्शी निकालकर अंदर घुसा होगा।

सुशासन तिहार के उपलक्ष्य में एक दिवसीय जिला स्तरीय इवेंट का आयोजन

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। जनसंपर्क संचालनालय रायपुर के निर्देशानुसार सुशासन तिहार के अंतर्गत आज माँ दंतेश्वरी परिसर स्थल मेंढक डोबरा मैदान में जनसंपर्क विभाग द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, हितग्राहियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस आयोजन का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना, साथ ही इन योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को अपने अनुभव एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया करना था।

भोपाल में दस लाख की शराब सहित तीन तस्कर गिरफ्तार



कि माता मंदिर मैनिट चौराह पर सफेद रंग की कार क्रमांक PKR 26-श्रद्धा-0733 को रोककर शरुवार की रात को सचं किया। जिसमें तीन व्यक्ति बैठे हुए थे। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कार की तलाशी लेने पर पीछे की सीट पर शराब की पीटियां रखी थीं। जिन्हें चराक करने के बाद जन्त कर लिया गया।

जानिए कौन हैं आरोपी युवक अजय डाकसे पिता जगदीश डाकसे (25) निवासी ब्र75 ब्लाक नं. 07- ञ्छ कालोनी सलैया भोपाल में रहता है। आरोपी ड्राइवरी करता है। उसका पुराना रिकार्ड खंगाला जा रहा है। प्रमोद चैतन्य पिता प्रभूलाल चैतन्य (25) निवासी ब्लाक नं. -12/8-ञ्छ कालोनी सलैया भोपाल में रहता है और ड्राइवरी करता है। पुलिस उसका पुराना रिकार्ड खंगाल रही है। धीरज कपिल पिता रमेश कपिल (24) निवासी ईश्वर नगर रेडीसन के पीछे सलैया भोपाल का रहने वाला है। वह एक रेस्टोरेंट में बतौर शेफ काम करता है।



कांग्रेस में आनंद शर्मा के बजाए,शशि थरूर को लेकर हड़कंप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राजनीति में पकड़े हैं क्योंकि कोई भी मौका कांग्रेस को नीचा दिखाने में नहीं चूकते हैं। भारत पाकिस्तान युद्ध या तनाव में भी उन्होंने पूरी कांग्रेस को ताक पर रख दिया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का पक्ष रखने के लिए कांग्रेस ने प्रमुख रूप से पूर्व विदेश मंत्री आनंद शर्मा का नाम दिया था जब सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरण जिजउ ने बकायदा कांग्रेस से चार नाम मागे थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव में हारे उम्मीदवार और केरल के नेता, यू एन में सेवा प्रदान कर चुके राज्य सभा सदस्य शशि थरूर को चुना है। इस मामले को लेकर कांग्रेस में हड़कंप मच गया है क्योंकि कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य शशि थरूर अब भारत का विदेशों में पक्ष रखने वाले हैं। कहते हैं कि तू डाल डाल में पात पात यही हालात हो गया है। लीडर ऑपोजिशन राहुल गांधी बाल नौच रहे हैं कि करे तो क्या करें। शशि थरूर समझौ नीम चढ़ी गिलोरी ,इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अघोषित समन्वय समिति में है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़के ने तो आनंद शर्मा का नाम भेजा था लेकिन सरकार ने शशि थरूर को चुना। दरअसल शशि थरूर भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट है। इतना ही नहीं है कि वह विदेशी मामलों के जानकार हैं अलबत्ता वह केरल से आते हैं।केरल में अभी सीपीएम मार्क्सवादी सरकार है, भारतीय जनता पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में एक सीट जीती है। इस प्रदेश पर भारतीय जनता पार्टी कोई लोकप्रिय नेता बनाना चाहती है जो करीब १० से 15 फीसदी मतों का इजाफा कर दे। शशि थरूर दक्षिण भारत के ब्राह्मण हैं। और त्रिशूर से जुड़े हैं। केरल में इसाई धर्म समुदाय भी 49 फीसदी है, मुस्लिम भी बहुत है।इस ताने वाने में शशि थरूर को केरल भारतीय जनता पार्टी का चेहरा बनाने की आवश्यकता है।वहां तक चयन का प्रश्न है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को ताक पर रख दिया है क्योंकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़के का सरकार का सहयोग करने का कोई इरादा नहीं है बल्कि युद्ध के बाद राहुल गांधी विदेश मंत्री एस जयशंकर को घेरने में जुटे हैं।

परिस्थितिजन्य साक्ष्य काफी नहीं होंगे

आशा है, भारतीय एजेंसियों ने ऐसे साक्ष्य जुटाए होंगे, जिन्हें देख कर महत्वपूर्ण राजधानियों को खतरे का बेहतर अहसास होगा। ऐसे साक्ष्य होंगे, तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की यात्रा जरूर कामयाब होगी। परिस्थितिजन्य साक्ष्य काफी नहीं होंगे। ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में (इजराइल के अपवाद को छोड़ कर) अंतरराष्ट्रीय समर्थन के लगभग पूरे अभाव से भारत के सत्ता प्रतिष्ठान में अगर चिंता पैदा हुई है, तो इसे सकारात्मक घटना माना जाएगा। चिंता का संकेत अनेक महत्वपूर्ण देशों में सात सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजने का फैसला है। ये दल 23 मई से दस दिन की यात्रा पर जाएंगे। बताया गया है कि प्रतिनिधिमंडल उन देशों को बताएंगे कि आतंकवाद का मुकाबला करने के मुद्दे पर भारत एकजुट है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए किया गया। उस आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी द रजिस्टेंस फोर्स नाम के दहशतगर्द संगठन ने ली थी, जिसके बारे में भारत ने कहा कि वह असल में कुख्यात लश्कर-ए-तैयबा ही है। भारत ने यह भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर और एक अन्य दहशतगर्द संगठन जैश-ए- मोहम्मद के ठिकानों पर निशाने साधे गए। भारत का मकसद बस इतना ही था। चूँकि पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई का जवाब दिया, इसलिए लड़ाई का दायरा बढ़ गया। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की जिम्मेदारी भारत के इस पक्ष को बता कर अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना है। यहां उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा रहा है, यह कोई नया तथ्य नहीं है। यह बात तो हाल में खुद वहीं के रक्षा मंत्री ने एक ब्रिटिश टीवी को दिए इंटरव्यू में मानी, हालांकि उन्होंने कहा कि पाकिस्तान यह गंदा काम अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों के लिए कर रहा था। 2008 के मुंबई हमलों के बाद खुद भारत ने पाकिस्तानी हाथ के ठोस सबूत दुनिया के सामने रखे थे। नतीजा पाकिस्तान पर शिकंजा कसने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके अलगाव के रूप में सामने आया। इसलिए आवश्यक यह है कि इस बार भी भारत वैसे ही अकाट्य साक्ष्य दुनिया के सामने रखे। वैश्विक प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य काफी नहीं होंगे। आशा है, इस बीच भारतीय एजेंसियों ने ऐसे साक्ष्य जुटाए होंगे, जिन्हें देख कर महत्वपूर्ण राजधानियों को पाकिस्तान जनित खतरे का बेहतर आभास होगा। ऐसे साक्ष्य होंगे, तो प्रतिनिधिमंडल की यात्रा जरूर कामयाब होगी। तो असल सवाल अकाट्य साक्ष्यों का है।

ऑपरेशन सिंदूर पर उठाए गए

प्रश्न चिंतित करने वाले

पहलगाम आतंकवादी हमले से लेकर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की अभूतपूर्व कार्रवाई, उसके बाद 8 और 9 मई की राति तक पाकिस्तान के साथ सीधे सैन्य टकराव और उसके बाद जिस तरह के वक्तव्य आए, प्रश्न उठते गए हैं वे चिंतित करने वाले हैं। इसमें सबसे अंतिम विवाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर के ऑपरेशन संबंधित पाकिस्तान को जानकारी देने के स्वाभाविक वक्तव्य का राहुल गांधी और कांग्रेस के द्वारा विवादस्पद बनाया जाना है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, ‘हमारे हमले की शुरु आता है मुं पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। इसे किसने अधिकृत किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?’ कांग्रेस मीडिया एवं कम्यूनिकेशन के प्रमुख जययाम रमेश पहले ही इससे आगे बढ़कर विदेश मंत्री के इस्तीफे की मांग कर चुके थे। एक्स पर उनका पोस्ट था, ‘विदेश मंत्री-अपने अमेरिकी समकक्ष की ओर से किए जा रहे दावों का जवाब तक नहीं देते हैं, उन्होंने एक असाधारण रहस्योद्घाटन किया है। वह अपने पद पर कैसे बने रह सकते हैं, ये समझ से परे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून, 2020 को चीन को सार्वजनिक रूप से वक्तीन चिट दे दी और हमारी बातचीत की स्थिति खत्म कर दी। जिस शख्स को उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर नियुक्त किया, उसने इस बयान से भारत को धोखा दिया है।’ कांग्रेस के समर्थक और भाजपा विरोधियों के साथ अनेक आम लोगों को भी इन बड़े नेताओं के वक्तव्य के बाद लगा होगा कि क्या वाकई हमने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के पहले ही पाकिस्तान को बता दिया? इससे हास्यास्पद बात कुछ नहीं हो सकती कि जो सरकार आतंकवादी हमले के बाद सीमा पर स्थित महत्वपूर्ण आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करने की साहसिक कार्रवाई की गोपनीय तैयारी कर चुकी हो वह पूर्व में दुश्मन को बता देगा? यह देश का दुर्भाग्य है और गहरी चिंता का विषय कि पूरे अभियान में, जिसने संपूर्ण दुनिया को विस्मित किया तथा

आज का पंचांग

	बुध-14				
बुध	सूर्य-शुक्र-शनि	13-15			
9	15	राहु	चन्द्र-केतु		
14	3	4	5	6	
मंगल					

सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त : 07:08, चन्द्रोदय : 27:27, चन्द्रास्त : 16:08, अयन : उत्तरायण (उत्तरायणोत्पीय), ऋतु : ग्रीष्म (ग्रीष्मावसु), सफ़र मसूरत : 1947 (विश्यावसु), विक्रम संवत्सर : 2082 (कालयुक्त), मास : ज्येष्ठ, पक्ष : कृष्ण, तिथि : त्रयोदशी, नक्षत्र : अश्विनी, राशि : सौम्यगय, प्रथम कर्षण : कौलव (08:57 तक), द्वितीय कर्षण : तैतिल (19:20 तक)
॥ गौघर ग्रहाः ॥ सूर्य : वृष, चंद्र : मेष (13:48 से),

मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृष (अस्त, पूर्व, मार्गी), गुरु : मिथुन (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शुक्र : मीन (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, मार्गी), राहु : कुंभ, केतु : सिंह।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 11:46 से 12:42, अमृत काल : 11:37 से 13:05, विजय मुहूर्त : 14:32 से 15:28, गोपूलि मुहूर्त : 19:08 से 19:28, सायह सन्ध्या : 19:09 से 20:10, निशिता मुहूर्त : 23:53 से 24:34, राहुकाल : 16:30 से 18:00, राहुण्डा : पूर्व, यमगण्ड : 13:58 से 15:41, दुर्मुहूर्त : 05:19 से 06:14, होमाहुति : केतु, दिशा शुल : पूर्व, अग्निवास : पृथ्वी, चन्द्र वास : उत्तर (पूर्व 13:48 से), शिववास : नन्दी पर (19:20 से मौज में)।



डॉ. परदेशीराम वर्मा

साक्षरता दूत बने। मुझे भिलाई नगर परियोजना का संयोजक बनाया गया। पूर्व ए.डी.जी. विनयशंकर चौबे जी भिलाई परियोजना के अध्यक्ष बने। वे मूल रूप से समाजसेवी ही थे, जो पुलिस महकमे में इतनी उंचाई पर गए। दुर्ग जिले का लिमतरा गांव मेरा जन्म ग्राम है। उस गांव का करीबी गांव नन्दैरी मेरा ननिहाल है। इन दोनों गांवों के समारोहों में चौबे जी कई बार गए। नन्दैरी में 1930 में ही प्राथमिक शाला खुल गया था। नन्दैरी के करीब बसे बीसों गांवों में साक्षरता का उल्लेखनीय स्तर था। ढांड साहब ने साक्षरता में प्रेरणा के लिए एक फिल्म मुझे लिखवाया। लोकवा फिल्म की शूटिंग नंदैरी में होे यह तय हुआ। नंदैरी वह गांव है, जहां लकवे की बीमारी का ईलाज करने वाले एक दाऊ थे। उन्होंने अंग्रेज तहसीलदाररि का ईलाज किया था। जब अंग्रेज तहसीलदारिन लकवा मुक्त हुईं तो अंग्रेज तहसीलदार ने गांव को प्राथमिक शाला आधारवश प्रदान कर दिया। ऐसे गांव में संतोष जैन, उनकी पूरी टीम और डी.एन. शर्मा सहित हम तीन दिन रहकर लोकवा की शूटिंग करते रहे। कलेक्टर की भूमिका खर्य ढांड साहब करने को सहमत थे, मगर एक कलाकार ने उस भूमिका को अदा किया। अगर नंदैरी में तब स्कूल नहीं खुला होता तो हमारे पिता की पीढ़ी के लोग अनपढ़ रह जाते। नंदैरी में ही प्रख्यात कवि दानेश्वर शर्मा की शुरूवाती शिक्षा हुई। अब तो गांव-गांव कई-कई स्कूल हैं। मेरे गांव लिमतरा में ही एक मासकीय हाई स्कूल और एक हिमशिखर निजी हाईस्कूल है। लेकिन ये स्कूल गांवों में 1955 के बाद ही बनते चले गए। हमारे गांव लिमतरा में भी स्कूल 1954 में खुला, जब हम पहली कक्षा में पढ़ाई के लिए तैयार हो गए। जिस तरह नंदैरी में स्कूल था उसी तरह पचासों गांवों के बीच छत्तीसगढ़ में प्राथमिक शालाएं हुआ करती थीं। रायपुर जिले के तिलदा गांव में भी ऐसा ही स्कूल था। तिलदा में भी 1930 में प्राथमिक शाला खोली गई। इस स्कूल से चौथी पढ़कर निकलने वाले एक प्रतिभाशाली बालक के सामने आगे पढ़ने के सारे रास्ते बंद मिले। घर किसान का था। उस समय आगे की पढ़ाई रायपुर में ही होती थी। रायपुर में रहकर पढ़ना आसान नहीं था। तब स्कूलों में बोर्डिंग की सुविधा भी नहीं थी। 1940 में तिलदा में जन्मे अत्यन्त प्रतिभाशाली किसान पुत्र विश्राम सिंह



डॉ. किशोर अग्रवाल

मुंबई की एक चौंकाने वाली खबर थी कि भरत जैन दुनिया का सबसे अमीर भिखारी है। इसके निर्यात में 18000 भिखारी हैं । प्रतिमाह की आय 7 करोड़ रुपए है और वह भी कर मुक्त । अपना साम्राज्य चलाने के लिए उसने आईआईएम कोलकाता से पढ़ाई कर रैक हासिल किया है। छोपे में उसके यहां 460 करोड़ रुपए नगद मिलते। उसके आठ महेगे विलाज ,दो निजी स्वतंत्र बंगले ,चार पब्लियं हैं । वह जब एक 22 करोड़ का नया बंगला खरीद रहा था तब आयकर विभाग ने उसे पकड़ । वह इंडोनेशिया और मलेशिया में भीख मांगने का सिंडिकेट खोलने अंतरराष्ट्रीय मिशन पर गया है। पढ़ने पर लगता है कि किसी कॉर्पोरेट कंपनी की असेट्स पर बात हो रही है। उसके किसी सीईओ के कामों का उल्लेख किया जा रहा है। भीख सबसे आसान और कलात्मक काम है , इसमें इन्वेस्टमेंट नहीं के बराबर है। भीख से प्राप्त आय आयकर से छूट प्राप्त है क्योंकि इसकी इतनी व्यापकता कल्पना से परे रही है, पर अब शायद यह आयकर के दायरे में ले ली जाए क्योंकि आयकर विभाग भी तो नित नए आयकर के स्रोत ढूंढता ही रहता है। भीख मांगने के मामले में हमारा पड़ोसी देश अव्वल है उसका कटोरा हमेशा ही उसके हाथ में रहता है। वह भीख पर ही पल रहा देश है, उसे छोटे से छोटे देश से भी भीख मांगने में शर्म नहीं आती । एक बार जो कोई भीख मांगने लगता है उसे फिर गैरत का क्या काम है । इसकी सरलता व सादगी से प्राप्ति में कोई जोर नहीं लगाना पड़ता । ना उत्पादन ,न कच्चा माल, न मेहनत, न एनर्जी, कुछ भी तो नहीं ,बस बेशर्मा से मांगना भर ही तो है। कुछ जगहों पर ऐसे गैरतमद भिखारी हैं जिन्हें भीख देने के लिए चिरोरी करनी पड़ती है । एक शहर में बनियों को समय-समय पर भिखारियों की जरूरत पड़ती रहती है । दान पुण्य करने पर और भीख देकर अपने पापों का नाश करना शायद इस विचार के मूल में है । वे विशेष दिनों पर 51या धर्मशर्मा की 1०1 भिखारी इकट्ठे करते हैं उन्हें खाना खिलाते हैं व वस्त्र वगैरह भी देते हैं । नगद भी देते हैं। वहां के भिखारियों ने अपने महत्व को समझा है। सीधे स्वर्ग से जुड़े अपने कनेक्शन को समझ कर उन्होंने एक यूनिशन बना ली है । बनियों को अपनी मांग यूनिशन में लिखनी पड़ती है । उसका आक्षेप तिथि तय कर भिखारी अपनी शर्तों पर उपलब्ध करवाते हैं। भोजन कैसा बनेगा ,नगद कितना होगा और वस्त्र कौन से दिए जाएंगे यह यूनिशन तय करती है । बैठे बिठये पुण्य थोड़ी कमा लोगे, कुछ भी थोड़ी ही बांढ दोगे ? भिखारियों ने यूं दाताओं पर नकेल लगा रखी है ।

किसी भी भिखारी को अब रोटी, चावल ,या पुराने कपड़े नहीं चाहिए, उन्हें

QUIZ TIME

- चालुक्य युग के कन्नड़ शिलालेख कहाँ मिले है?
- हाल ही में, मिजोरम के पहले स्काईवाँक का उद्घाटन कहाँ किया गया है?
- हाल ही में किस कंपनी ने भारत की पहली रोड ट्रेन लॉन्च की है?
- रेखा गुप्ता सहित दिल्ली में अमी तक कितने महिला मुख्यमंत्री बने है?
- प्रति वर्ष विश्व यूनानी दिवस कब मनाया जाता है?

ಕರ್ನಾಟಕದ (೧) - ಜ್ಞಾನಪ್ರಸಂಗ (೨) - ಲಾಭಾಂಶ (೩) - ಲಾಭಾಂಶ (೪) - ಲಾಭಾಂಶ (೫)

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ औरटर देवदार गुजराती

मेष: आपको आज का दिन शांति एवं धैर्य रख बिताने की सलाह है। ना कुछ लोग भी आज आपकी उधेश करेगें जिससे स्वभाव दिन भर आवेश में रहेगा।

वृष: आज के दिन आपको घर एवं बाहर मान-सम्मान में वृद्धि कराएगा। पारिवारिक सदस्यों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मिथुन: आज का दिन लाभदायक रहेगा प्रात: काल से ही धन लाभ की संभावनाएं लगी रहेगी।

कर्क: आपके आज के दिन का अधिकांश समय शुभ कर्मों में व्यतीत

होगा। आध्यात्म में आज खुल कर रुचि

लेंगे दान-पुण्य पर खर्च भी करेंगे।

सिंह: आपके लिए आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय एवं पारिवारिक उत्पन्नो के कारण शारीरिक

एवं मानसिक उत्पन्नो के कारण शारीरिक

कन्या: आज का दिन आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा। आपको आज

आकस्मिक लाभ के साथ ही सामाजिक क्षेत्र से उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान भी मिलेगा।

तुला: आज का दिन धन धान्य में वृद्धि कराएगा खर्च भी आवश्यकता अनुसार

रहने पर बचत भी कर सकेगे।

वृश्चिक: आज के दिन आप आवश्यकता से अधिक दिनांग लगाएंगे

इसका परिणाम विपरीत ही रहने वाला



वर्मा भी शायद चौथी पढ़कर शिक्षक बन जाते। लेकिन उनके

किसान पिता सुखराम वर्मा ने अपने बेटे को पढ़ने के लिए संकल्प लिया। तिलदा से लगा हुआ बड़ा कस्बा नेवरा है। वहां

उन्हीं वर्षों में मिडिल स्कूल खुला था। विश्रामसिंह वर्मा को तिलदा से दो मिलोमीटर चलकर नेवरा जाना और दिनभर पढ़कर पैदल

ही तिलदा वापस आना बहुत सरल लगता था। पढ़ने की लगन थी।

आठवीं के बाद रायपुर में पढ़ने के लिए उनके पिता तैयार हो गए।

तब रायपुर के गौरमेण्ट हाईस्कूल में बोर्डिंग की सुविधा थी।

विश्राम सिंह वर्मा के निश्चर पिता अपने बेटे को लेकर स्कूल

पहुंचे। वहां प्राचार्य और गुरुओं ने पूछा कि नवीं में कौन सा विषय

लेना है बच्चे को। पिता ने कहा मैं अपने बेटे को बाबू बनाना

चाहता हूं, जिस विषय को पढ़कर यह बाबू बन सके वहीं विषय

दे दीजिए। बाबू बनने के लिए कामर्स विषय ठीक रहेगा यह

प्राचार्य ने तय कर दिया और विश्राम सिंह जी कामर्स लेकर पढ़ने

लगे। गांव का बालक जानकर गर्वमेण्ट हाईस्कूल बोर्डिंग के

प्रभारी विपाटीजी उनसे झाड़ू लगावते थे। तरह-तरह के ऐसे काम

देते थे। जिसे वे सहर्ष कर लेते थे फिर भी चार माह बाद उन्हें

प्रभारी ने गर्वमेंट हाईस्कूल की बोर्डिंग से निकाल दिया। अब

विश्राम सिंह वर्मा को पढ़ाई छोड़कर घर जाने का मन हो गया। वे

रेलवे स्टेशन सामान लेकर आ गए। वहां कुछ सामान की चोरी

भी हो गई। घंटों बीत गए तब उन्हें लगा कि मां बाप उससे बड़ी

उम्मीद करते हैं। उन्हें कितना दुःख होगा कि मैं बाबू बनने लायक

नहीं पड़ सका। इसी बीच उन्हें ख्याल आया कि कुर्मी भवन

तात्यापारा में भी कुर्मी बोर्डिंग है। इतना वे जानते थे कि गिरौद वाले



अस्सी एकड़ की जमीन के जोतनदार कुर्मी दाऊ ने रायपुर में

अपनी ग्याह्र हजार स्कैयर मीटर जमीन बोर्डिंग बनाने के लिए

दिया तब से 1930 से किसानों के बच्चे वहां रहकर पढ़े और

आगे बढ़े। वे सुबह रेलवे स्टेशन से कुर्मी बोर्डिंग तात्यापारा गए।

बातों को सुनकर तब के प्रबंधक ने उन्हें ढांडस बंधाया।

उन्होंने बोर्डिंग में रख लिया। दूसरे-तीसरे दिन उनसे पिता भी आ

गए। और कुर्मी बोर्डिंग में उनकी विधिवत व्यवस्था हो गई। पिता

पढ़ो बेटा कहकर तिलदा चले गए और उनकी पढ़ाई पुन: प्रारंभ हो

गई। यह कुर्मी लोगों के बच्चों के लिए ही संचालित बोर्डिंग था।

विश्राम भैया को यहां सुखा और अपनेपन का अहसास हुआ।

दाऊ भोला प्रसाद वर्मा गिरौद वाले ने अगर दान में जमीन देकर

कुर्मी बोर्डिंग नहीं खुलवाया होता तो 65 के बाद लगातार शिक्षा,

चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में पढ़ लिखकर बड़े-बड़े पदों पर पहुंचे

किसान पुत्रों को ऐसी सफलता सहज सम्भव नहीं मिलती। कुर्मी

बोर्डिंग रायपुर में उस दौर में रहकर निकले कुर्मी रत्न कहलाए। वे

आगे चलकर शिक्षाशास्त्री, इंजीनियर, प्रशासक बने। दाऊ भोला

प्रसाद वर्मा ने जब कुर्मी बोर्डिंग के लिए भूमि दान किया, तब

छत्तीसगढ़ के दूसरे समाज के लोगों के द्वारा ऐसी पहल नहीं हुई

थी। एक तरह से भोला दाऊ दान दाताओं के अग्रणी प्रेरणा पुरुष

हैं। अब तो रायपुर और अन्य शहरों में जातीय बोर्डिंग, भवन और

सभागारों की श्रृंखला ही है। लेकिन 1930 में ऐसा ऐतिहासिक

निर्णय लेकर दाऊ भोला प्रसाद वर्मा ने नई पीढ़ी के किसान पुत्रों

के लिए उज्जल भविष्य का सिंहराज बनाा दिया। यह बोर्डिंग

खोतिहर कुर्मीयों के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए कल्पवृक्ष सिद्ध

हुआ। कुछ बड़ेदाऊओं के अपने घर भी रायपुर में थे मगर वे घर

भी अपने बच्चों को ही छाया दे पाते थे। ऐसे में कुर्मी दाऊओं के

बच्चें भी भोला कुर्मी छात्रावास में रहे। हमारे बड़े भाई हैं प्राफेसर

विश्राम सिंह वर्मा। हमारी बड़ी बुआ रम्भा दीदी लिमतरा से

समुसुरल तिलदा गई। रम्भा दीदी और फूफाजी ने खूब श्रम कर

विश्राम भैया को पढ़ाया। तब कुर्मी बोर्डिंग में चार काठ चावल

और एक काठ दाल माह में एक विद्यार्थी के लिए घर वाले देते

थे। तब हर किसान अपने खेतों में धान और अरहर बोता ही था।

इस तरह उनकी सुविधा की दृष्टि से यह व्यवस्था बनी।

विश्राम सिंह वर्मा ने प्रथम श्रेणी में कामर्स लेकर हाई स्कूल पास

कर लिया। फिर वे आगे की पढ़ाई के लिए दुर्गा कालेज में भर्ती

हुए। कुर्मी बोर्डिंग की व्यवस्था यथावत थी ही। वे खर्च निकालने

के लिए नौकरी भी तलाशते थे। उन्हीं दिनों वन विभाग में बाबू

की नौकरी निकली। और वे बाबू के पद पर नियुक्त हो गए। दुर्गा

कालेज में सुबह पढ़ते थे। फिर नौकरी में चले जाते थे। इस तरह

उन्होंने अपने पिता के सपनों के अनुरूप बाबू का पद तो पा लिया

लेकिन उनके सपने बड़े थे। उन्होंने अच्छे नम्बरों से बी.काम.

किया। फिर एम.कॉम. में प्रावीण्य सूची में आए और उसी दुर्गा

कालेज में प्राध्यापक हो गए।

विश्राम भैया ने बी.कॉम स्नातक पाठ्यक्रम के लिए चार

पुस्तकों का लेखन किया जो लोकप्रिय हैं। वे साहित्यकार विनोद

शंकर शुक्ल एवं विष्णु कुमार के साथ गौरमेण्ट हाई स्कूल में पढ़े।

बाद में तीनों प्रोफेसर हुए। विष्णुकुमार और विनोदेशंकर शुक्ल

छत्तीसगढ़ के चर्चित साहित्यकार के रूप में जाने जाते हैं। उनके

एक सहाय्यी प्रसिध्द बाल्यलिन वादक कीर्ति व्यास हैं जो विगत

चालीस वर्षों से आमदमी के रूप में जाने जाते हैं। विश्राम भैया दो

बार छत्तीसगढ़ स्तरीय मन्ना कुर्मी क्षत्रिय समाज के महामंत्री बने।

उन्होंने दहेज, खचीली शादी को रोकने का आग्रह किया।

अंतीमिका विवाह और सामूहिक विवाह के लिए उन्होंने उल्लेखनीय

काम किया। समाज के लोगों को व्यवसाय एवं अन्य क्षेत्रों में आगे

बढ़ने के लिए भी प्रोत्साहन के लिए कार्यक्रम हुए। वे अब 85

वर्ष के हो गए हैं। इस बीच आदरणीया भाभी श्रीमती दीपा वर्मा

का निधन हो गया। दो यशस्वी बेटे और तीन बेटियों को छोड़कर

भाभी जी चली गई । वे पाटन क्षेत्र के सोमनी गांव से आई थीं।

जीवन की लंबी यात्रा में तरह तरह के कष्ट और सुख अनुभव

आते हैं। उनके बड़े सुपुत्र शैलेश वर्मा टाटा ए

दावा-आपत्ति 9 जून तक आमंत्रित

एमसीबी /नवप्रदेश। ग्राम/नगर तेन्दुडांड की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजस्व निरीक्षक मनेंद्रगढ़ (शहरी) द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम तेन्दुडांड प.ह.न. 15 की दक्षिणी सीमा के बाद अवस्थित असंवैक्षित भूमि का भू सर्वेक्षण उक्त आदेश के परिपालन में राजस्व/वन विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा किया जाकर उक्त असंवैक्षित भूमि ग्राम तेन्दुडांड स्थित भूमि ख.न. 1 रकबा 0.280, हे.(सड़क-रास्ता), ख.न. 2 रकबा 0.720 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.3 रकबा 9.500 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.4 रकबा 5.050 हे. (काबिल-कास्त), ख.न.5 रकबा 1.520 हे. (काबिल-कास्त), ख.न.6 रकबा 4.910 हे.(काबिज-कास्त), ख.न.7 रकबा 14.290 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.8 रकबा 3.450 हे. (पानी के नीचे), ख.न.9 रकबा 14.300 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.10 रकबा 10.370 हे. (पानी के नीचे) कुल खसरा 10 कुल रकबा 64.390 हे. खसरा पांचशाला खण्ड-1 व खण्ड-2, अधिकार अभिलेख, निस्तार पत्रक व नक्शा के साथ अग्रिम कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त भूमि के भू-सर्वेक्षण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 9 जून 2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग कर रहा हैंडपंपों की मरम्मत

एमसीबी /नवप्रदेश। गर्मियों की तेज धूप और पानी की बढ़ती मांग के बीच लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए मरम्मत योग्य हैंडपंपों के संधारण और सुधार का कार्य तेज कर दिया है। जिले के विभिन्न गांवों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में जिले के विकासखंड-मनेंद्रगढ़ के ग्राम-चनवारीडांड में विभाग के कर्मचारियों द्वारा एक हैंडपंप की मरम्मत कर उसे पुनः चालू किया गया। मरम्मत कार्य के पूरा होते ही ग्रामवासियों को तत्काल जल सुविधा मिलने लगी। इस प्रयास से ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। विभाग की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने की दिशा में एक अहम कदम है। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए विभाग का आभार जताया है और इसे समय पर उठया गया सराहनीय कदम बताया है।

वन विभाग में वाहन चालक हेतु पैदल चाल परीक्षा 28 मई को

नारायणपुर/नवप्रदेश। कार्यालय वनमण्डलाधिकारी नारायणपुर में भारी एवं हल्का वाहन चालक के रिक पदों पर सीधी भर्ती हेतु चयनित अभ्यर्थियों को वाहन चालक हेतु पैदल चाल परीक्षा 28 मई को परीक्षा स्थल शाकम्बीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के पेरेंड ग्राउण्ड के समीप अन्य खेल मैदान में समय प्रातः 07 बजे से आयोजित की गई है।

कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि विज्ञान केंद्र की समीक्षा बैठक

दंतेवाड़ा/ नवप्रदेश।। आज जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कलेक्टर द्वारा कृषि विभाग से संबंधित विभागीय अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी मैदानी अधिकारियों को जून माह तक केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) के शत-प्रतिशत प्रकरण पूरा करने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं एग्रीस्टेक पोर्टल पर शेष किसानों का शीघ्र पंजीवन पूर्ण, मुदा नमूना संग्रहण में गति लाने, जैविक खेती के प्रति जागरुकता लाने हेतु प्रचार-प्रसार तेज करना, किसानों को धान की पारंपरिक खेती के स्थान पर वैकल्पिक फसलें अपनाने हेतु शिबिर आयोजित कर प्रोत्साहित करने को कहा गया। इसी प्रकार उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि 1000 हेक्टेयर रुकबे में ऑयल पाम के लिए सही हितग्राहियों का क्लस्टर स्तर पर चयन किया जाए, साथ ही केसीसी लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति करने हेतु अभियान चलाया जाए।इस क्रम में पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि किसानों को मौसमी बीमारियों से पशुओं की सुरक्षा हेतु जागरुकता अभियान चलाए जाएं। साथ ही कृत्रिम गर्भाधान लक्ष्य की पूर्ति, सुनिश्चित करने, पशुपालकों के लिए केसीसी लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करें।

ऑनलाइन पोस्ट मेट्रिक छत्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन पंजीयन की सूचना

दंतेवाड़ा/ नवप्रदेश। आदिवासी विकास शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि के प्राचार्य संस्था प्रमुख, छत्रवृत्ति प्रभारी एवं उमंग अध्ययनरत्न अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यालयों, जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मेट्रिक छत्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, को सूचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मेट्रिक छत्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। जिसके अंतर्गत विभाग द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्रस्ताव,स्वीकृति वर्ष 2025-26 हेतु विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्राप्त तिथि नवीनीकरण 31 मई, 31 अगस्त, 30 नवम्बर तथा नवीन के लिए 31 अप्रैल 30 सितंबर, 30 नवंबर तिथि निर्धारित है। इस संबंध मे संभावित भुगतान तिथि 10 जून, 10 सितंबर, 31 दिसंबर, 10 सितंबर, 10 अक्टूबर, 31 दिसंबर तक तिथि निर्धारित की जा रही है।

युक्तियुक्तकरण का आदेश वापस लेकर नियमित शिक्षकों की भर्ती करे सरकार : चमन साहू

● युक्तियुक्तकरण के नाम पर 5000 स्कूलों बंद करने का षड्यंत्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर गिरेगा

कांकेर /नवप्रदेश। नये सेटअप के तहत शिक्षकों की न्यूनतम संख्या में कटौती और युक्तियुक्तकरण के नए नियम को जन विरोधी निर्णय करार देते हुए युवा कांग्रेस नेता पुर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एनएसयू आई चमन साहू ने कहा है कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है, जिससे छत्तीसगढ़ के लगभग 5000 स्कूल बंद हो जाएंगे, साय सरकार के इस फैसले का सबसे

बड़ा नुकसान बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचलों में पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ेगा। स्कूलों को जबरिया बंद किए जाने से न केवल शिक्षक बल्कि उन स्कूलों से संलग्न हजारों रसोईया, स्लीपर और मध्यम भोजन बनाने वाली महिला स्वसहायता समूह की बहनों के समक्ष जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। नए सेटअप के तहत सभी स्तर प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलो में शिक्षकों के न्यूनतम पदों में कटौती के चलते युवाओं के लिए नियमित शिक्षक के पद पर नई भर्ती के अवसर भी कम हो जाएंगे शिक्षा के स्तर पर बुरा असर पड़ना निश्चित है। अधिनायकवादी भाजपा सरकार ने



इतना बड़ा अव्यवहारिक निर्णय लेने से पहले ना प्रभावित वर्ग से चर्चा की, न ही प्रदेश के भविष्य के बारे में सोचा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ही प्रदेश में 58000 से अधिक

जमीन के पंजीयन में दूरगामी आशातीत और सकारात्मक परिणामदायक होंगे : डिप्टी सीएम

४ रजिस्ट्री में 10 क्रांतियां विषय पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए साव

कांकेर/ नवप्रदेश। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यात्रिकी, विधि और विधायी कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री अरूण साव आज कांकेर जिला प्रवास के दौरान पंजीयन विभाग द्वारा रजिस्ट्री में 10 क्रांतियां विषय पर आयोजित कार्यशालामें शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में भूमि के पंजीयन संबंध में फजीवाड़ा के अनेक मामले सामने आते हैं। भूमाफियाओं के द्वारा अनेक तरह की अनियमितताओं के चलते आमजनता के जीवन्मभर की कमाई एक पल में बर्बाद हो जाती है। इसमें सुधार लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 10 बिंदुओं पर नवाचार किए गए हैं जो पंजीयन के मामले में दूरगामी और आशातीत



सकारात्मक परिणामदायक होंगे।आज अपराह्न 3.30 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित पंजीयन विभाग की कार्यशाला में प्रभारी मंत्री साव ने बताया कि जैसे-जैसे संपत्तियों की कीमत बढ़ी है, वैसे-वैसे आर्थिक परेशानियां भी बढ़ी हैं। ब्रिटिशकालीन पंजीयन अधिनियम 1908 तथा भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के पुराने नियम आज भी चल रहे हैं, जिससे अनेक प्रकार की व्यावहारिक दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री जग्गुपुव्व साय के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने इसे आधुनिकीकृत, सरलीकृत और

पारदर्शी बनाने की दिशा में पहल की है जो वास्तव में गरीब तबके को बड़ी राहत देगी। इसके पहले, सांसद श्री भोजराज नाग और कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने रजिस्ट्री की 10 नई क्रांति विषय पर अपने संक्षिप्त विचार रखे।

कार्यशाला में उप पंजीयक पुष्पलता धुर्वे ने बताया कि पंजीयन विभाग द्वारा पूरी प्रक्रिया को अद्यतीकृत किया गया है, जिसमें 10 प्रकार के कार्य सम्मिलित हैं, इसमें रजिस्ट्री दस्तावेजों का स्वतःनिर्माण घर बैठे स्टाम्प सहित दस्तावेज बनाने की सुविधा, फर्मी रजिस्ट्री रोकने के लिए

जागो ग्राहक जागो, उपभोक्ता आयोग ने प्राइवेट बीमा कंपनी को सिखाया जोरदार सबक...

कांकेर/ नवप्रदेश। विगत 22 मई 2025 को पारित आदेश में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग उत्तर बस्तर कांकेर ने नवी मुंबई की यूनिवर्सल जनरल बीमा कंपनी को जमकर लताड़ लगाई है और गरीब बीमेदारों के साथ इंसाफ किया है। विवरण इस प्रकार है कि फ़रियादी (1)मोहम्मद गुलाब पिता अब्दुल सत्तार तथा (2) अब्दुल सत्तार पिता फखरुद्दीन शौलता पारा कांकेर द्वारा इंडियन बैंक के माध्यम से नवी मुंबई के यूनिवर्सल जनरल इश्योरेंस कंपनी की रायपुर ब्रांच से स्वास्थ्य बीमा कराया गया था। बाद में फ़रियादी क्रमांक 2 का स्वास्थ्य खराब होने पर नारायणा अस्पताल रायपुर में भर्ती कर उपचार कराया गया था लेकिन उपचार व्यय हेतु बीमा दावा जब किया गया तो बीमा कंपनी का व्यवहार बदला हुआ था और उसने तथ्यों के गैर प्रकटीकरण का बहाना लगाकर दावा ही निरस्त कर दिया। फ़रियादी क्रमांक 2 अब्दुल सत्तार का बीमा 19

अगस्त 2021 तक वैध था। फ़रियादी द्वारा जब बीमा क्लेम हेतु बीमा कंपनी से संपर्क करने की कोशिश की गई तो मालूम हुआ की रायपुर में अब उस बीमा कंपनी की कोई ब्रांच नहीं है। जो ब्रांच थी उसे बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया है। इससे परेशान होकर फ़रियादियों ने नवी मुंबई स्थित हेड ऑफिस से संपर्क किया तो उत्तर मिला कि अब्दुल सत्तार की उम्र 60 वर्ष से अधिक है। इस बात को छुपा कर बीमा कराया गया इसलिए क्लेम मंजूर नहीं किया जाएगा। इस जवाब से बीमेदार को आश्चर्य हुआ कि जब बीमा कराया गया था उस समय भी तो अब्दुल सत्तार की उम्र 64 वर्ष फर्म में भारी गई थी । तब कंपनी ने क्यों आपत्ति नहीं की और पॉलिसी जारी होने जाने के बाद जब क्लेम की नौबत आ रही है तब क्यों आपत्ति होनी चाहिए? इस बात का कोई जवाब बीमा कंपनी नहीं दिया। इससे व्यथित होकर उपभोक्ता आयोग जिला कांकेर की शरण लेनी पड़ी जहां

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप-समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इस राष्ट्रीय आकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। जीडीपी वृद्धि पर पहला उप-समूह निवेश, निर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखेगा। जनसंख्या प्रबंधन पर दूसरा उप-समूह भारत को वृद्धावस्था और कम प्रजनन क्षमता जैसी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए अपने जनसांख्यिकीय लाभ का लाभ उठाने में मदद करेगा। तीसरा उप-समूह प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा।

साय ने नीति आयोग से नक्सलवाद ... दिशा में ठोस कदम बढ़ाना है। समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्धता
मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर और अन्य क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने नक्सलवाद की समस्या पर भी बात की और कहा कि राज्य में अब यह समाप्ति की ओर है, क्योंकि सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ विकास को प्राथमिकता दी है।

अब छत्तीसगढ़ के आईपीएस ...
कैडर का तीन बार रिवीजन हुआ है और कैडर बढ़ाया गया है। सब से पहला रिवीजन 30 जनवरी 2004 को हुआ था, जिसमें 81 पदों को मंजूरी दी गई थी। दूसरा रिवीजन 30 मार्च 2010 को राजपत्र में प्रकाशित हुआ था। इसमें कैडर बढ़ाकर 1-3 कर दिया गया था। तीसरा रिवीजन 19 मई 2017 को किया गया था, जिसमें आईपीएस संवर्ग के लिए 142 पदों को मंजूरी दी गई थी। चौथे रिवीजन में 11 पद और बढ़ाकर आईपीएस संवर्ग के लिए पदों की संख्या 153 कर दी गई है। छत्तीसगढ़ में आईपीएस अफसरों की लगातार बढ़ती आवश्यकता तथा

शिक्षकों के पद रिक्त हैं, हर महीने सैकड़ों शिक्षक रिटायर हो रहे हैं, कई वर्षों से शिक्षकों का प्रमोशन रुका हुआ है, स्थानांतरण को लेकर कोई ठोस पॉलिसी बना नहीं पाए, समयमान वेतनमान का विवाद अब तक लंबित है ऐसे में युक्तिकरण के नाम पर शिक्षकों को डरा कर वसूली करना चाहती है यह सरकार कांग्रेस के युवा नेता एनएसयूआई के पुर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चमन साहू ने कहा है कि नए सेटअप में प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में एचएम को शिक्षकीय पद मानते हुए प्राइमरी में 30 और मिडिल में 35 बच्चों के बीच एक शिक्षा का सेटअप घोषित किया गया है। प्राथमिक शालाओं में

पहली व दूसरी में तीन-तीन विषय एवं तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षा लेना होता है, अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षकों के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 सबजेक्ट इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे? इसके अतिरिक्त मध्याह्न भोजन की व्यवस्था डाक का जवाब और अन्य गैर शिक्षकीय कार्यों

की जिम्मेदारी भी इन्हीं पर रहेगी।

कांग्रेस नेता चमन साहू ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ के बच्चों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके, इसीलिए निजी शिक्षण संस्थानों को लाभ पहुंचाने, सरकारी शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने का षड्यंत्र रचा गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही 5484 स्कूल ऐसे हैं जो केवल एक शिक्षक के भरोसे हैं, 297 स्कूल पूरी तरह से शिक्षक विहीन है, पिछले सवा साल से भाजपा की सरकार है, इस दौरान एक भी पद नियमित शिक्षा की नियुक्ति नहीं की गयी।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान ● प्रचार नियमों का सरलीकरण

एमसीबी /नवप्रदेश। मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने और मतदान दिवस की व्यवस्थाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने दो और व्यापक निर्देश जारी किए हैं। इलमें मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा सुविधा प्रदान करना और प्रचार नियमों का सरलीकरण शामिल है। ये निर्देश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और निर्वाचन संचालन नियम, 1961 के संबंधित प्रावधानों के अनुरूप है।शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल फेन के बढते उपयोग और मतदाताओं विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को मतदान दिवस पर मोबाइल फेन संभालने में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा सुविधा की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि के भीतर केवल बंद (स्विच ऑफ) स्थिति में मोबाइल फेन रखने की अनुमति होगी। मतदान



केंद्र के प्रवेश द्वार के पास साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग रखे जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को अपने मोबाइल फेन जमा करने होंगे। मोबाइल फेन मतदान केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ मतदान केंद्रों को स्थानीय प्रतिकूल परिस्थितियों के आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा इस प्रावधान से छूट दी जा सकती है। मतदान केंद्र के भीतर मतदाता की गोपनीयता सुनिश्चित करने वाला निर्वाचन संचालन नियम 49 एक सख्ती से लागू रहेगा। इसके अतिरिक्त, मतदान दिवस पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोग ने प्रचार की अनुमति सीमा को निर्वाचन कानूनों के अनुरूप मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी तक सीमित कर दिया है। मतदान दिवस पर मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी।

दोषपूर्ण युक्तियुक्तकरण के खिलाफ शिक्षक संघ, 28 को मंत्रालय घेरगा

४ सेटअप में परिवर्तन के पक्ष में नहीं शिक्षक, बताया निजीकरण की मंशा

केशकाल/ नवप्रदेश। युक्तियुक्तकरण के विरोध में सर्व शैक्षिक संगठन 28 मई को मंत्रालय का घेराव करेगा। जानकारी अनुसार शिक्षकों की लंबित मांगों के पूरा नहीं होने और शिक्षा व्यवस्था को चौपट होने से बचाने को लेकर यह कदम उठाने को मजबूर है। इसके पूर्व शिक्षक संगठनों की नाराजगी देखकर शासन ने युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया को निरस्त किया था अब संघ का कहना है कि पुनः प्रक्रिया जारी कर शिक्षकों को प्रताड़ित किया जा रहा है । सरकार ने मोदी की गारंटी में स्पष्ट वादा किया है कि पूर्व सरकार



द्वारा बंद किए गए स्कूलों को खोला जाएगा एवं 57000 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, लेकिन इसके विपरीत सरकार अव्यवहारिक युक्तियुक्तकरण करने जा रही है जिससे पूर्व सरकार द्वारा बंद एक भी स्कूल तो खुल नहीं रहा है, वही हजारों स्कूल बंद जरूर हो रहे है और हजारों शिक्षकों का पद समाप्त हो रहा हैं। जिससे वर्तमान में शिक्षक के रिक्त पद बचेंगे ही नहीं तो सरकार 57 हजार शिक्षकों की भर्ती कहां से करेगी।

विसंगतिपूर्ण युक्तियुक्तकरण को तत्काल निरस्त करने, सोना साहू प्रकरण में न्यायालय के निर्णय अनुसार सभी शिक्षक एलबी संवर्ग को क्रमोन्नति देने, प्रथम नियुक्ति से सेवा की गणना कर वेतन विसंगति, पुरानी पेंशन सहित अन्य लाभ एवं पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता को समाप्त करने के चार सूत्रीय मांग को लेकर प्रदेश के 23 शैक्षिक संगठनों का साझा मंच ःसर्व शैक्षिक संगठन+ द्वारा 28 मई 2025 को मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नया रायपुर का घेराव किया जाएगा। जिसके तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ की प्रांतीय बैठक 22 मई को प्राताध्यक्ष केदार जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें संघ के सभी प्रांतीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी एवं विकासखंड अध्यक्ष शामिल हुए।

बर्बरता का पर्याय रहे सीरियल किलर राम निरंजन कोल उर्फ राजा कोलंदर हत्या के एक मामले में उन्नेकद की सजा सुनाए जाने के बाद फिर सुर्खियों में आ गया है। लखनऊ की अदालत ने रायबरेली के हरचंदपुर निवासी मनोज कुमार सिंह की हत्या में उसे और उसके साले को दोषी ठहराया है। कोलंदर वही कुख्यात नाम है, जिसने एक के बाद एक 14 नशंस हत्याएं कीं। उसकी हैवानियत को यादकर अब भी लोग सिहर उठते हैं।

'विकसित भारत' समीक्षा बैठक

भारत होगा। उन्होंने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जब संसद, न्यायपालिका, विश्वविद्यालयों, मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता को सत्ता की सुविधा के अनुसार कुचला जा रहा हो तो कैसा विकसित भारत होगा। भारत जिन मूल्यों और आदर्शों के लिए जाना जाता रहा है, उन पर अंतरराष्ट्रीय मंचों के सामने ही योजनाबद्ध हमला किया जा रहा हो तो कैसा विकसित भारत होगा। जब देश की आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही हो और संपत्ति कुछ गिने-चुने लोगों के हाथों में सिमटती जा रही हो तो यह कैसा विकसित भारत होगा।

रमेश ने कहा कि अगर भारत की शानदार विविधताओं का जानबूझकर अपमान किया जाए एं उन्हें मिटाना जाए तो कैसा विकसित भारत होगा। ये कैसा विकसित भारत है जहां केवल अभिव्यक्ति की आजादी ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति के बाद की स्वतंत्रता भी खतरे में है।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र मंडल की अपरा एकादशी पर ऑनलाइन किया विष्णु सहस्त्रनाम पाठ

रायपुर /नवप्रदेश। अपनी सनातन संस्कृति को संजोए रखने के लिए महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति लगातार नित नए आयोजन करती रहती है। ऐसे ही एक आयोजन में समिति के सदस्यों ने अपरा एकादशी पर शुक्रवार को सुबह 6.45 बजे अलखनंदा नारद के नेतृत्व में ऑनलाइन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ किया। आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था काले ने बताया कि अपरा एकादशी, जिसे अचला एकादशी भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है।

यह व्रत विशेष रूप से ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी के दिन मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, उपवासी व्रत, भजन- कीर्तन और दान का विशेष महत्व है। पद्मपुराण के अनुसार, इस व्रत से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट होते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत न केवल जीवित व्यक्तियों के लिए, बल्कि प्रेतात्माओं के लिए भी मुक्ति का कारण बनता है। ऑनलाइन विष्णु सहस्त्रनाम पाठ में संध्या खंगन, अंजलि नलगुंडवार, अंजलि खेर, प्रणिता नलगुंडवार, अनुपमा नलगुंडवार, श्रुति सराफ, रोहिणी नेने, दीपांजलि भालेराव, मंजूषा मरकले, श्यामल जोशी, अर्चना जतकर, अरविंद जोशी, दीपाली अलोनी के साथ पुणे से अलखनंदा नारद और नागपुर से ज्योत्सना किरवई, प्रदीप पराडकर समेत अनेक श्रद्धालु जुड़े थे।

मिरानिया के बेटे की पढ़ाई का पूरा जिम्मा उठाएगा मैट्स विवि : कुलाधिपति



रायपुर /नवप्रदेश। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में मारे गए रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया के बेटे को मैट्स विश्वविद्यालय ने स्नातक शिक्षा के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने यह फैसला राष्ट्र के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत लिया है। छात्रवृत्ति के अंतर्गत शिक्षा के संपूर्ण अवधि का समस्त शुल्क माफ किया गया है। इस सराहनीय पहल को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय शहीदों के परिवारों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना का प्रतीक है। यह निर्णय रूझूर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गजराज पगारिया के राष्ट्र सेवा और वीरों के प्रति गहन समर्पण को भी दर्शाता है। बता दें कि रायपुर के समता कॉलोनी निवासी स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया (45 वर्ष) की हत्या कश्मीर के बैसरन घाटी में आतंकियों ने कर दी थी। हमला उस वक्त हुआ जब दिनेश अपनी पत्नी नेहा, बेटे शौर्य और बेटी लक्षिता के साथ शहीदी की सालगिरह मना रहे थे।

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा आज

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में 25 मई रविवार को यूपीएससी प्रीलिम्स की परीक्षा आयोजित की जायेगी। पहली पाली में सुबह 9 बजे और दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शुरू होगी। इसके लिये रायपुर में कुल 28 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इन केंद्रों में सुरक्षा समेत अन्य व्यवस्था को लेकर व्यापक प्रबंध किये गये हैं। पहली पाली में सुबह 9 बजे से शुरू होगी और दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से होगी। दो बजे के बाद परीक्षा केंद्र में एंट्री बंद कर दी जायेगी। ऐसे में किसी भी परिस्थिति में अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थी दोनों पालियों में परीक्षा शुरू होने के आधा घंटा पहले केंद्र पहुंचें। परीक्षा हॉल में अभ्यर्थी केवल पारदर्शी पानी बॉटल लाएं, उस पर किसी भी प्रकार का स्टिकर नहीं होना चाहिए। परीक्षा हॉल में डिजिटल वॉच, मोबाइल फोन, आईटी गैजेट्स, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, किसी भी प्रकार संचार उपकरण अथवा बैग या पर्स ले जाने की अनुमति नहीं है। अभ्यर्थी पेपर-1 और पेपर-2 के बीच परीक्षा प्रांगण में ही रहें। परीक्षा के दौरान एक समय में दो लोगों को वाशरूम जाने की अनुमति नहीं होगी। अंतिम 30 मिनट के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को वाशरूम जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थियों को प्रवेश के समय ई-एडमिट कार्ड एवं वही फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो उनके परीक्षा फॉर्म में दर्ज है, मोबाइल पर ई-एडमिट कार्ड की तस्वीर दिखाने से परीक्षा केंद्र में एंट्री नहीं मिलेगी। परीक्षार्थी यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा में केवल काले कलर की बॉल पाइंट पेन का उपयोग कर सकते हैं। किसी भी अन्य कलर की पेन अथवा काले कलर की जेल पेन का उपयोग पूरी तरह से मना है। अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में केवल काले कलर की बॉल पाइंट पेन, पेंसिल, ई-एडमिट कार्ड, पारदर्शी वॉटर बॉटल, स्वयं की पासपोर्ट साइज तस्वीर, आईडी फू एवं एडमिट कार्ड में ही ले जा सकते हैं।

बोरे बासी पर सियासत –भाजपा नेत्री राधिका खेड़ा ने भूपेश बघेल पर बोला हमला

डू कका के लिए बोरे बासी संस्कृति नहीं लूट का साधन था

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के बोरे बासी तिहार को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा नेत्री राधिका खेड़ा ने तत्कालीन भूपेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कका के लिए बोरे बासी संस्कृति नहीं लूट का साधन था। बोरे बासी तिहार के नाम पर 5 घंटे के भीतर 8 करोड़ रुपए उड़ाए गए। राधिका ने कहा, बोरे बासी तिहार में 1500 रुपए की वीआईपी थाली मंगाई गई थी। 8 रुपए पानी की बोतल 18 रुपए



में खरीदे गए, चार डोम बनाए, लेकिन बिल 6 डोम का बनाए। छत्तीसगढ़ की पहचान को भूषण बघेल ने टेंडर की टेली पर बेच दिया। कमीशन की थाली भरकर उस पैसे से दिल्ली में दीदी की थाली सजाई गई।

कुर्सी बचाने के चक्कर में महतारी को ठगा-राधिका खेड़ा ने कहा, कका हर मन से बोलते थे कि माटी मेरी मां है, लेकिन उसी माटी को माल

सीएम गृह प्रवेश सम्मान योजना: 18 माह में तैयार होगा आवास तभी मिलेगा सम्मान

ठू घर बैठे सीधे बैंक अकाउंट में आएगा पैसा

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के तहत किसी हितग्राही को मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना का लाभ पाने के लिए कुछ मशक़त तो करनी ही पड़ेगी। हितग्राहियों के लिए यह जरूरी होगा कि वे अपना मकान 18 महीने में बनवा लें। उनका मकान सरकार द्वारा तय पूर्ण आवास की परिभाषा के अनुरूप होगा तो बतौर इनाम हितग्राही को 32 हजार 850 रुपए मिलेंगे। इस रकम के लिए भी उन्हें कहीं भाग-दौड़ की जरूरत नहीं होगी। यह रकम घर बैठे उनके बैंक अकाउंट में आ जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की



18 माह में मकान बनाना होगा

मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना का उद्देश्य दरअसल ये है कि, हितग्राहियों को निर्धारित समय सीमा यानी 18 माह में मकान बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) निम्न आय वर्ग (एलआईजी) तथा मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के हितग्राहियों की बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्के आवास देने के लिए बनाई गई है, लेकिन गृह प्रवेश योजना की सम्मान राशि का इकटार बनने के लिए 18 माह में मकान बनाकर उसमें गृह प्रवेश करना जरूरी होगा। इस दौरान भवन अनुज्ञा से लेकर आवास की पूर्णता तक जियो टैगिंग भी की जाएगी। जियो टैगिंग का सत्यापन और अनुमोदन कराना अनिवार्य होगा।

शिक्षा का उद्देश्य संस्कार और सेवा होना चाहिए : राज्यपाल

डू विप्र पब्लिक स्कूल के नव-निर्मित भवन के लोकार्पण में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर /नवप्रदेश। विप्र पब्लिक स्कूल, रायपुर के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण आज जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना ही शिक्षा नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व को संवराने और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने की प्रक्रिया है।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल



डेका ने विप्र शिक्षा समिति और विप्र कॉलेज के 30 वर्षों की शिक्षायात्रा को गौरवपूर्ण बताते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह ज्ञान, सेवा और संस्कृति का संगम है। राज्यपाल डेका ने कहा कि आज जब पूरा विश्व डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल

इसे कहा जाएगा पूर्ण आवास

मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना की राशि उन्हें ही मिलेगी, जिन्होंने 18 माह में अपना पूर्ण आवास तैयार कर लिया है, लेकिन सवाल ये है कि पूर्ण आवास क्या है? इसकी परिभाषा भी सरकार ने तय की है। पूर्ण आवास की परिभाषा के तहत 30 वर्ग मीटर से 45 वर्गमीटर तक कारपेट क्षेत्रफल वाले नवनिर्मित आवास में न्यूनतम दो कमरे, रसोई घर, बाथरूम, बना हो। निर्माण कार्य में समस्त आंतरिक एवं बाह्य कार्य जैसे प्लास्टर, प्लोस्टिग, पोतार्ड, विद्युतीकरण, जल की व्यवस्था, दरवाजे खिड़की आदि लगे होने चाहिए। आवास के मुख्य द्वार पर योजना का मोनो-लोगो अनिवार्य रूप से लगा होना चाहिए।

अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना की घोषणा की गई थी। अब सरकार ने इस योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कर ली है। इस संबंध में प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी और नगर निगम, पालिका और नगर

पंचायत को योजना के दिशा निर्देश से अवगत कराया है। खास बात ये है कि यह योजना प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के बीएलसी घटक यानी लाभार्थी आधारित निर्माण के लिए प्रदेश के सभी 192 नगरीय निकायों के लिए लागू होगी।

मेकाहारा में देर रात लगी आग: मची अफरा-तफरी

डू मौके पर पहुंचकर दमकल कर्मियों ने पाया आग पर काबू



रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी मेकाहारा में शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। हॉस्पिटल के फर्स्ट फ्लोर कमरा नंबर 152 में बनी क्लिनिकल पैथोलॉजी में आग लगने से अस्पताल में अफरातफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने समय पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात रायपुर स्थित मेकाहारा में भीषण आग लग गई। हॉस्पिटल के फर्स्ट फ्लोर कमरा नंबर 152 में बनी क्लिनिकल पैथोलॉजी में आग लगने से अस्पताल में अफरातफरी मच गई। हालांकि दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। देर रात

अस्पताल अधीक्षक और सीनियर डॉक्टरसं समेत पुलिस के आलाधिकारी अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।वहीं इस पूरे मामले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, मेकाहारा में पहले भी आग लगी थी, जिसके बाद अलर्ट जारी किया गया था। फ़यर सेफ्टी को लेकर पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए थे। तब कुछ जगहों पर सेफ्टी के लिए जरूरी इंतजाम किया गया था। हालांकि इस बार आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। अच्छी बात यह रही कि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

राजनांदागांव में जीएसटी अधिकारी के साथ चेंबर की कार्यशाला

डू आईटीएसए हॉस्पिटल के उद्घाटन में शामिल हुए चेंबर अध्यक्ष

रायपुर /नवप्रदेश। शुक्रवार को पुराना रेस्ट हाउस, स्टेशन रोड, राजनांदागांव में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, राजनांदागांव इकाई की जीएसटी अधिकारी के साथ जीएसटी संबंधी कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें चेंबर के वरिष्ठ सदस्य खूबचंद पारख,



इकाई अध्यक्ष कमलेश बैद, उपाध्यक्ष आलोक बिंदल, मंत्री तरुण लहरवानी, भीमन धनवानी समेत अनेकों पदाधिकारी और

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी शामिल हुए।इस दौरान उन्होंने अस्पताल की शुरुआत पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे आशा है कि 350 बिस्तरों वाला यह नवनिर्मित अत्याधुनिक अस्पताल अच्छी सुविधाओं के साथ मरीजों को सेवाएं प्रदान करते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सीजीएसटी विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला

रायपुर /नवप्रदेश। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, रायपुर कार्यालय में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। सीजीएसटी विभाग ने दो अहम तबादला आदेश जारी किए हैं, जिनमें अभी एक साल हुआ है। उसी बीते साल के आय-व्यय के ब्योरे के साथ मंडल की भावी गतिविधियों, कार्यक्रमों और योजनाओं की भी सभासदों से चर्चा की जाएगी। 31 मार्च 2026

महाराष्ट्र मंडल की वार्षिक सामान्य सभा एक जून को

रायपुर /नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल की वार्षिक सामान्य सभा चौबे कॉलोनी स्थित मंडल भवन में एक जून को सुबह 10 बजे होगी। इस आशय की सूचना के साथ सभासदों के घरों तक वार्षिक आहवाल भिजवाने का काम तेजी से जारी है। मंडल के आठवीं बार अध्यक्ष बने अजय मधुकर काले के दो वर्षीय कार्यकाल का अंभी एक साल हुआ है। उसी बीते साल के आय-व्यय के ब्योरे के साथ मंडल की भावी गतिविधियों, कार्यक्रमों और योजनाओं की भी सभासदों से चर्चा की जाएगी। 31 मार्च 2026

को कार्यकाल पूरा होने के बाद महाराष्ट्र मंडल में साल 2026- 28 के कार्यकाल के लिए चुनाव कराए जाएंगे। लगातार सातवें कार्यकाल के सचिव चेतन गोविंद डंडवते के अनुसार अध्यक्ष अजय काले के नेतृत्व में हमारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 का कार्यकाल उपलब्धिपूर्ण रहा। डंडवते के साथ सखी निवास प्रभारी नमिता शेष ने बताया कि हमने करीब 22 साल पुराने कामकाजी महिला वसती गृह के कमरे को समय की मांग के अनुरूप नया स्वरूप प्रदान किया है।

नवाचार

नए पैटर्न में कर्मचारियों का अंकों के आधार पर होगा मूल्यांकन

शासकीय सेवकों के गोपनीय चरित्रावली पैटर्न में सरकार ने किया बदलाव

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवकों (अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर) के कामकाज को लेकर तैयार होने वाली उनकी गोपनीय चरित्रावली बनाने के पैटर्न में सरकार ने महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने नए निर्देश जारी किए हैं। खास बात ये है कि, अब से पहले सीआर का श्रेणीकरण क, ख, ग के आधार पर तैयार होता था। अब इसमें बदलाव के बाद संख्यात्मक श्रेणी में इसे लिखा जाएगा।

व्यवहार का वार्षिक मूल्यांकन-सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक वार्षिक कार्य निष्पादन



मूल्यांकन प्रतिवेदन लिखे जाने का उद्देश्य यह है कि शासकीय अधिकारी, कर्मचारी के वार्षिक कार्य करने की क्षमता, कार्य व नियमों का ज्ञान तथा कार्य करने के तरीके, उसके व्यवहार का वार्षिक मूल्यांकन किया जा सके। किसी भी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी

के कैरियर का यह महत्वपूर्ण अभिलेख है तथा इसी के आधार पर उसके आगे की सेवा अवधि कैसी होगी, यह तय होता है। इसलिए वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन अत्यंत सावधानीपूर्वक बिना किसी पूर्वाग्रह के लिखा जाना चाहिए।

होगा पोर्टल का उपयोग

राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि मानव संसाधन प्रबंधन को डिजिटल रूप से सुदृढ़ करने के लिए राज्य के सभी शासकीय सेवकों के वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु एनआईसी द्वारा विकसित सफ़ाओआव का उपयोग किया जावेगा। राज्य के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों (अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को छोड़कर) के वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन लिखे जाने के सम्बंध में पूर्व में प्रचलित प्रणाली, प्रपत्र के स्थान पर सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तैयार प्रपत्र एक प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी एवं कार्यपालिक तृतीय श्रेणी अधिकारियों के लिए प्रपत्र-दो तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए प्रपत्र-तीन शीघ्रलेख्य सर्वगं के कर्मचारियों के लिए एवं प्रपत्र-चार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए निर्धारित किया गया है, जो कि अंकीय रोट ए आधारित होगा।

अब हुआ ये बदलाव-वर्तमान में लागू कार्य निष्पादन मूल्यांकन संख्यात्मक आधारित होगी। पदोन्नति हेतु पूर्व वर्ष के गोपनीय

प्रतिवेदन को विचार में लिया जावेगा, जो कि विवरणात्मक होगी।

तथा विभिन्न श्रेणी हो सकती

न्यूज गैलरी

अब पीएफ का पैसा ट्रांसफर करना हो गया आसान, ईपीएफओ ने बदल दिया नियम

नई दिल्ली। नौकरिपेशा लोगों के लिए अब पीएफ का पैसा ट्रांसफर करवाना और भी आसान हो गया है। सर्विस पिरियड में ओवरलैप की वजह से पीएफ ट्रांसफर का क्लेम रिजेक्ट नहीं किया जाएगा। जब भी आप नौकरी बदलते हैं, तो वो अपने पुराने एंप्लॉयर के ईपीएफ खाते से नए एंप्लॉयर के ईपीएफ अकाउंट में बैलेंस ट्रांसफर कर सकता है। इसी को ट्रांसफर क्लेम कहते हैं। लेकिन इसमें कई बार ऐसा होता है कि पुराने और नए एंप्लॉयर की सर्विस डेट्स ओवरलैप हो जाती है। जिसके कारण ट्रांसफर क्लेम को रिजेक्ट कर दिया जाता है। इसको लेकर ईपीएफओ ने अब साफ किया है कि अब ट्रांसफर क्लेम को सिर्फ इसलिए रिजेक्ट नहीं किया जाएगा क्योंकि दो कंपनियों की सर्विस डेट्स में ओवरलैप है। जारी किए गए नए सर्कुलर के मुताबिक, अगर किसी ट्रांसफर क्लेम में ओवरलैपिंग डेट्स मिलती हैं तो इसका मतलब हुआ कि क्षेत्रीय ऑफिस को उस क्लेम को रिजेक्ट नहीं करना है। आपको तब ही सफाई देनी होगी जब असल में ऐसा करने की जरूरत हो। इसके लिए ट्रांसफर ऑफिस को ये जिम्मेदारी दी गई है वो बिना क्लेम को लौटाए या फिर रिजेक्ट किए, प्रोसेस को आगे बढ़ाएं और केवल जरूरी मामलों में ही जवाब दें।

ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद भारत में बने आईफोन अमेरिका में सस्ते होंगे

नई दिल्ली। अपने एक बयान में ट्रंप ने धमकी दी है कि ।

अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इसपर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हालांकि, जीटीआरआई का मानना है कि इस तरह के शुल्कों के बावजूद भारत में आईफोन का निर्माण लागत की दृष्टि से अधिक प्रभावी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। भले ही अमेरिका भारत में बने आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए, फिर भी इसकी कुल उत्पादन लागत अमेरिका में इसे बनाने की तुलना में बहुत कम होगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (तज़ररुह) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। जीटीआरआई की ओर से यह जानकारी ऐसे समय पर दी गई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बयान के कारण खासा चर्चा में है। अपने बयान में ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर एपल भारत में आईफोन बनाने का फैसला करता है तो वे इसपर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। हालांकि, जीटीआरआई का मानना है कि इस तरह के शुल्कों के बावजूद भारत में आईफोन का निर्माण लागत की दृष्टि से अधिक प्रभावी है। रिपोर्ट में 1,000 अमेरिकी डॉलर के आईफोन की पूरी मौजूदा मूल्य श्रृंखला के बारे में विस्तार से बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन के निर्माण में एक दर्जन से अधिक देशों का योगदान है। एपल अपने ब्रांड, सॉफ्टवेयर और डिजाइन जरिए मूल्य का सबसे बड़ा हिस्सा, लगभग 450 डॉलर प्रति डिवाइस अपने पास रखता है। कालकोम और ब्रॉडकॉम जैसे अमेरिकी घटक निर्माताओं के हिस्से में करीब 80 जाते हैं। जबकि ताइवान चिप बनाकर 150 अमेरिकी डॉलर हासिल करता है। दक्षिण कोरिया ओएलईडी स्क्रीन और मेमोरी चिपस बनाकर 90 डॉलर हासिल करता है। जापान मुख्य रूप से कैमरा सिस्टम तैयार कर 85 डॉलर के पार्ट्स की आपूर्ति करता है। जर्मनी, वियतनाम और मलेशिया छोटे आईफोन के कई अन्य छोटे-छोटे हिस्से बनाकर 45 डॉलर का योगदान देते हैं। जीटीआरआई ने कहा कि चीन और भारत जैसे देश आईफोन असेंबली के मामले में प्रमुख खिलाड़ी होने के बावजूद, प्रति डिवाइस केवल लगभग 30 डॉलर ही कमाते हैं। यह एक आईफोन के कुल खुदरा मूल्य का 3 प्रतिशत से भी कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 25 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत में आईफोन का निर्माण आर्थिक रूप से तर्कसंगत है।

कृषि गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, रबी में खाद्यान्न की बुवाई पिछले साल के स्तर से 2 प्रतिशत अधिक रही

भारत की जीडीपी विकास दर चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहेगी, खपत में होगा सुधार

नई दिल्ली। भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वृद्धि दर के उच्च स्तर पर रहने की वजह कृषि, होटल, ट्रांसपोर्ट और कंस्ट्रक्शन सेक्टर का मजबूत रहना है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि अधिक ग्रामीण मांग के कारण कुल खपत मजबूत रही है। हालांकि, शहरी मांग का आउटलुक मिश्रित बना हुआ है और इसे मॉनिटर किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, केंद्र सरकार की ओर से अधिक पूंजीगत खर्च के कारण चौथी तिमाही में इन्वेस्टमेंट ग्रोथ को सहारा मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक,आय में कमी, रेपो रेट में गिरावट, महंगाई दर के कम होने और अच्छे मानूसन की संभावना से ग्रामीण मांग में रिकवरी आ रही और आर्थिक गतिविधियों में सुधार हो रहा है। रिपोर्ट में



बताया गया कि कॉर्पोरेट पूंजीगत व्यय में वृद्धि के लिए खपत में निरंतर सुधार महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताएं बाधा उत्पन्न करती हैं। रिपोर्ट में

कहा गया है कि हमें वित्त वर्ष 26 में जीडीपी वृद्धि 6.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कृषि गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, रबी में खाद्यान्न की बुवाई पिछले साल के स्तर से

2 प्रतिशत अधिक रही है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में घरेलू ट्रेक्टर की बिक्री में 23.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीसरी तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि से बेहतर

है। इसके अतिरिक्त जनवरी-फरवरी 2025 में उर्वरक की बिक्री में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। घरेलू हवाई यात्री यातायात में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि तीसरी तिमाही में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। आईआईपी खनन में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि तीसरी तिमाही में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया,हालांकि जनवरी-फरवरी 2025 में केंद्रीय पूंजीगत व्यय में 4 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के अंत में मजबूत खर्च से चौथी तिमाही में निर्माण गतिविधि को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

सोने के 5 जून 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.59 प्रतिशत बढ़कर 96,100 रुपए हो गई है

सोने की कीमत गिरी, चांदी में आई तेजी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को उतार-चढ़ाव देखने को मिलीं। एक तरफ सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई है तो दूसरी तरफ चांदी के दाम में तेजी दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 45 रुपए कम होकर 95,471 रुपए हो गया है। इससे पहले 24 कैरेट के सोने की कीमत 95,516 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव कम होकर 87,451 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 87,493 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 71,603 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 71,637 रुपए थी।

सोने के उलट चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 390 रुपए बढ़कर 96,909 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 96,519 रुपए प्रति किलो था। वायदा बाजार में भी सोने और चांदी ने विपरीत रुझान दिखाया। सोने के 5 जून 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.59 प्रतिशत बढ़कर 96,100 रुपए हो गई है। चांदी के 4 जुलाई 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की



कीमत 0.60 प्रतिशत कम होकर 97,212 रुपए हो गई है। कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा,इस सप्ताह कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण बुलियन बाजार का प्रदर्शन अस्थिर रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों में सप्ताह के दौरान मजबूत उछाल आया और शुक्रवार की सुबह

तक यह लगभग 3 प्रतिशत बढ़कर 3,303.92 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना है, जिसमें इस सप्ताह 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई, इसकी वजह अमेरिका के राजकोषीय परिदृश्य के बारे में निवेशकों की बढ़ती चिंताएं भी हैं। उन्होंने आगे

कहा कि घरेलू बाजार में हफ्ते के दौरान सोने की कीमतें 93,000 रुपए से लेकर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की रेंज में रही। इसका कारण अंतराष्ट्रीय कारकों का प्रभाव था, जिससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आई।

सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2 प्रतिशत पर आने

नई दिल्ली। आरबीआई ने सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बंपर लाभांश दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार इस लाभांश से सरकार के राजकोषीय घाटे में कमी आने के साथ विकास खर्च में बढ़त की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा। इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5त्र है, अब इसके घटकर 4.2त्र आने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2त्र तक पहुंच सकता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब

2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करने मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा। रिपोर्ट में आगे भारतीय रिजर्व बैंक के बड़े सरप्लस के पीछे की गतिविधियों के बारे में भी बताया गया।

सिद्धांत शर्मा ने पहली क्षेत्रीय चैंप्टर सम्मेलन में भाग लिया

भुवनेश्वर में आयोजित आईएसएचआरआई के इस आयोजन में क्षेत्रीय कार्यों की समीक्षा

भुवनेश्वर, ओडिशा। हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित आईएसएचआरआई की पहली क्षेत्रीय चैंप्टर सम्मेलन में दिल्ली हेडक्वार्टर से सिद्धांत शर्मा ने सक्रिय भागीदारी की। यह दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन भुवनेश्वर चैंप्टर द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न चैंप्टरों के कार्यों की समीक्षा की गई।

इस सम्मेलन का अध्यक्षता आईएसएचआरआई के रीजनल डायरेक्टर श्री अमरेन्द्र गोस्वामी जी ने की। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ईस्ट रीजन के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की और एक विस्तृत रोट मैप भी प्रस्तुत किया। श्री गोस्वामी जी ने इस अवसर पर भविष्य की योजनाओं को लेकर पूरी योजना का ब्योरा दिया।

कार्यक्रम का संचालन भुवनेश्वर चैंप्टर ने



किया, जिसमें दिल्ली से केके मित्रा जी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा, रांची चैंप्टर के प्रेसिडेंट राकेश रोशन जी, गुवाहाटी चैंप्टर के अध्यक्ष नयनमणि शर्मा जी, भुवनेश्वर चैंप्टर के प्रेसिडेंट सचिंद्र कुमार राउत जी और कोलकाता के पैंरेट चैंप्टर के प्रेसिडेंट श्यामल बर्मन जी मुख्य रूप से उपस्थित थे। रायपुर से कोर कमेटी सदस्य श्री सिद्धार्थ जैन ने अपने क्षेत्र में चल रहे कार्यों का विस्तार से अवलोकन प्रस्तुत किया, जिससे सभी चैंप्टर के प्रतिनिधियों को

अपनी योजनाओं को बेहतर बनाने का मौका मिला। इस दौरान सभी प्रमुख जोनल चेयरस भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने अपने चैंप्टर के कार्यों को सफल बनाने के लिए विचार-विमर्श किया। यह सम्मेलन न केवल क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने का अवसर था, बल्कि आने वाले समय में नई योजनाओं और अभियानों के लिए भी आधार बना।

खेल

फैरेबियाई बल्लेबाज मैथ्यू फोर्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मात्र 16 गेंदों में ठेक डाले 50 रन

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज मैथ्यू फोर्ड ने डलबिन के द विलेज ग्राउंड पर आयरलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दूसरे वनडे मैच में एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 16 गेंदों पर 50 रन बनाए थे. अब मैथ्यू फोर्ड भी इस रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं. उन्होंने भी 16 गेंदों में यह कारनामा कर लिया है.

इस सीरीज का पहला मैच हारने के बाद निर्णायक मुकाबले में उत्तरी वेस्टइंडीज ने शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाजी की. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उठे केसी कार्टी ने शतक बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी. शाई होप ने भी 49 रन बनाए. हालांकि आठवें नंबर



पर बल्लेबाजी करने वाले मैथ्यू फोर्ड ने पहली ही गेंद से आयरिश

गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करके नया विश्व रिकॉर्ड

और 2 चौकों की मदद से 50 रन बनाए. इसके साथ ही उन्होंने वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 16 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था. अब वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में मेजबान आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को 140 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. सीरीज को जिंदा रखने के लिए इस करो या मरो वाले मैच में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया है. केसी कार्टी के अलावा बल्लेबाज शाई होप, रोस्टन चेस और मैथ्यू फोर्ड की उपयोगी पारियों की बदौलत कैरेबियाई टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 352 रन बनाए।

नीरज चोपड़ा ने पौलेंड में लहराया तिरंगा

चोरजोव (पौलेंड)। भारत के डबल ओलंपिक मेडलिस्ट और गोल्डन बॉय नाम से देश-भर में मशहूर नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को यहां जनुश कुसोसिन्स्की मेमोरियल मीट में पुरुषों के जैवलिन श्रो में दूसरा स्थान हासिल किया. नीरज ने इस सीजन का अपना तीसरा पदक जीता, लेकिन वह दोहा डायमंड लीग में अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाए, जिसमें भी उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था।

भारत के स्टार जेवलिन श्रोअर पूरे इवेंट में संघर्ष करते रहे और कई बार फाउल श्रो दर्ज किए. हालांकि, छठे राउंड में 84.14 मीटर का उनका प्रयास रात का उनका सबसे बड़ा प्रयास साबित हुआ. 84 मीटर का आंकड़ा पार करने के बावजूद चोपड़ा छह राउंड के बाद पहले स्थान पर आने में विफल रहे. जर्मनी के स्टार खिलाड़ी जूलियन वेबर ने 86.12 मीटर के श्रो के साथ पहला स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा जमाया.



वहीं, अपने छठे और अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर श्रो करते हुए चोपड़ा ने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 83.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 27 वर्षीय चोपड़ा, जिन्होंने पिछले सप्ताह दोहा में पहली बार 90 मीटर के निशान को पार किया था, इस इवेंट में अपनी लय में नहीं आ पाए, पहले फाउल श्रो के बाद, स्टार भारतीय एथलीट के 81.28 मीटर का दूसरा श्रो किया. 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने प्रयास के

बाद खुश नहीं थे. इसके अलावा, चोपड़ा के लिए हालात बेहतर नहीं रहे क्योंकि उन्हें अपने तीसरे और चौथे श्रो में भी फाउल मिला। वहीं, जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी और एक बार फिर चोपड़ा को पछड़ते हुए 86.12 मीटर की विजयी श्रो के साथ नंबर-1 स्थान हासिल किया. वेबर ने दोहा में भी 91.06 मीटर तक भात्ता फेंककर गोल्ड मेडल जीता था, जो उनके करियर में पहली बार 90 मीटर के आंकड़े को पार करने का मौका भी था।



न्यूज गैलरी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना के लिए भोपाल से ग्वालियर तक सत्याग्रह मार्च करेंगे : प्रदीप अहिरवार

भोपाल/नवप्रदेश। भारतीय संविधान के निर्माता, शोषितों-वंचितों के मुक्तिदाता और आधुनिक भारत के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापना को लेकर ग्वालियर में विवाद गहराता जा रहा है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने स्पष्ट आदेश दिए हैं कि न्यायालय परिसर में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की जाए, लेकिन इन आदेशों की अवहेलना



करते हुए न सिर्फ़ प्रतिमा को परिसर में प्रवेश से रोका जा रहा है, बल्कि खुलेआम धमकी दी जा रही है कि «प्रतिमा ही नहीं बचेगी-»। यह स्थिति न सिर्फ़ न्यायपालिका की अवमानना है, बल्कि संविधान में निहित समानता, सम्मान और न्याय के मूल मूल्यों के विरुद्ध एक गंभीर हमला है। इस पूरे मामले को लेकर बाबा साहेब में आस्था रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं में रोष है। एससी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने ऐलान किया है कि वे इस अन्याय के खिलाफ़ शांतिपूर्ण सत्याग्रह मार्च की शुरुआत करेंगे, जो भोपाल से ग्वालियर तक निकाला जाएगा। यह मार्च न सिर्फ़ एक मूर्ति की स्थापना की मांग करेगा, बल्कि यह आत्मसम्मान, सामाजिक न्याय और संवैधानिक चेतना के समर्थन में जन-जागरण का माध्यम भी बनेगा। अहिरवार ने कहा कि यह आंदोलन बाबा साहेब के विचारों की रक्षा के लिए है, जिसे नाथूराम गोडसे और सावरकर की विचारधारा से प्रभावित तत्व नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। पिछले कुछ दिनों से ग्वालियर में बाबा साहेब के अनुयायियों और एक अन्य पक्ष के लोगों के बीच टकराव की घटनाएं भी सामने आई हैं। दोनों पक्षों में कहासुनी और आपसी झड़प के मामले दर्ज हुए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। स्थानीय प्रशासन ने अब तक मामले को सुलझाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है, जबकि पुलिस की निष्क्रियता से आक्रोशित दलित समाज अब सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। प्रतिमा स्थापना को केवल धार्मिक या वैचारिक मुद्दा बनाकर टालना, संवैधानिक अधिकारों का हनन है। प्रदीप अहिरवार ने कहा, बाबा साहेब की प्रतिमा केवल एक शिल्प नहीं, बल्कि वह प्रतीक है उस संघर्ष का, जिससे वंचितों, दलितों, महिलाओं और श्रमिकों को समान अधिकार मिले। यह प्रतिमा न्यायपालिका के परिसर में लगे, इससे बड़ा संदेश कुछ नहीं हो सकता कि भारत का संविधान और उसकी आत्मा आज भी प्रासंगिक है। प्रशासन को न्यायालय के आदेशों का सम्मान करते हुए बिना किसी भेदभाव के तत्काल प्रतिमा स्थापना की प्रक्रिया को पूरी करवाना चाहिए। सत्याग्रह मार्च के जरिए यह आवाज़ अब पूरे राज्य और देश में गुंजेगी कि बाबा साहेब का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस नेताओं की शक्ति प्रदर्शन – लोकतंत्र की रक्षा हेतु संकल्पबद्ध हुए कार्यकर्ता

भोपाल/नवप्रदेश। आज महेश्वर में आयोजित संविधान बचाओ रैली में कांग्रेसजनों ने भारी संख्या में भाग लेकर लोकतंत्र, संविधान और देश की मूल आत्मा की रक्षा हेतु अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के विचारों और मूल्यों के प्रति जनसमर्थन देखने को मिला। रैली में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव श्री संजय दत्त जी, पूर्व मंत्री श्री बाला बच्चन जी, पूर्व मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधू जी, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री रवि जोशी जी, विधायकगण सुश्री झुमा सौलंकी, श्री केदार डावर, श्री राजेंद्र मंडलौई, श्री मोंटू सोलंकी, पूर्व विधायक श्री पांचोदल मेड़ा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री रवि नाईक सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर खतरा मंडरा रहा है, और ऐसे समय में संविधान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की भावना, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधर रही है और आगे भी संघर्ष करती रहेगी। संविधान बचाओ रैली ने यह संदेश दिया कि देश की आत्मा को बचाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी तरह से एकजुट हैं और संघर्ष को तैयार हैं।



इंदौर में कोरोना के दो एक्टिव केस: भोपाल में आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था तक नहीं

भोपाल/नवप्रदेश। देश में कोरोना के मरीज फिर बढ़ने लगे हैं। दिल्ली से लेकर केरल तक 314 मरीज सामने आ चुके हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर में भी 2 एक्टिव केस हैं। इस स्थिति में भी एमपी के बड़े सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाओं के नाम पर खानापूर्ति ही नजर आ रही है। आलम ये है कि राजधानी भोपाल के सरकारी अस्पतालों में तो कोरोना की पहचान के लिए जरूरी आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था ही नहीं है। केवल एम्स में ही जांच के लिए किट उपलब्ध हैं। बीते एक सप्ताह में सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में कोरोना जैसे लक्षणों वाले मरीजों की संख्या 15 फीसदी तक बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना का जेएन-1 वैरिएंट है, जो तेजी से फैल रहा है। लोगों को खुद को सुरक्षित रखने के

लिए कोरोना से बचाव की आदतों को फिर अपनाने की जरूरत है।

निजी अस्पतालों में 900 से 1200 रुपए में हो रही जांच

भोपाल में कोरोना की आरटीपीसीआर जांच के लिए जब निजी जांच केंद्र पर फोन कर पूछताछ की गई तो पहली बार में किसी ने भी जांच हो पाएगी या नहीं, यह जानकारी नहीं दी। सभी ने 10 से 15 मिनट में कॉल बैक कर अपडेट करने की बात कही। बता दें, कुल 5 लैब में कॉल किया गया, लेकिन जवाब में सिर्फ़ तीन लैब से कॉल बैक आया। सभी ने दो दिन में रिपोर्ट आने की बात कही और जांच के लिए 900 रुपए, 1050 रुपए और 1200 रुपए चार्ज बताया है।



कोविड-19 डेशबोर्ड 5 दिन से नहीं हुआ अपडेट

केंद्रीय मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ एंड वेलफेयर का कोविड-19 डेश बोर्ड आखरी बार 19 मई 2025 की सुबह 8 बजे अपडेट किया गया था। तब तक के आंकड़ों के अनुसार देश

में 257 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। वहीं, अब तक कुल कोरोना के मरीजों में से 98.81व यानी 4 करोड़ 45 लाख 11 हजार 240 मरीज स्वस्थ हुए। जबकि 5 लाख 33 हजार 666 लोगों की इस बीमारी के कारण मौत हुई। इंदौर में 2 एक्टिव केस इंदौर में कोरोना के दो पॉजिटिव

मिलने वाले थे स्कॉलरशिप के 25 हजार रुपए

भोपाल में स्कूल से लौटकर छात्रा ने फांसी लगाई: 12वीं में 81 प्रतिशत आए थे

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाली 12वीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। इससे पहले शुक्रवार की दोपहर को वह स्कूल में अपना बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड देकर आई। उसने एमपी बोर्ड से 81 प्रतिशत मार्क्स के साथ 12वीं कक्षा पास की थी। लिहाजा उसे सरकारी योजना के तहत लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपए मिलने वाले थे।

यह राशि शनिवार तक खाते में क्रेडिट होने का आश्वासन स्कूल की ओर से दिया गया था। स्कूल से लौटने के बाद वह गुमसुम थी। इसी बीच परिवज घर से बाहर गए और युवती ने सुसाइड कर लिया। हालांकि पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शनिवार दोपहर को पीएम के बाद परिजनों को शव सीप दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, दीक्षा रजक (18) 12वीं की छात्रा थी। उसके पिता चौकीदारी का काम करते हैं। मां भी घरों में हाउस हेल्प का काम



करती है। उसका एक छोटा भाई है, जो सबसे बड़ी बहन के घर गया हुआ था। दीक्षा प्रथम श्रेणी से पास हुई थी। शुक्रवार की दोपहर को घर लौटी, तब गुमसुम थी। इसके कुछ देर बाद मां काम कर चली गई। इसके बाद दीक्षा ने सुसाइड कर लिया।

मां घर पहुंची तब देखा शव

शुक्रवार शाम मां घर पहुंची तो सबसे पहले उन्होंने ही बेटी की लाश

देखी। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। जिसके चलते आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि दीक्षा पड़ने में अच्छी थी और अच्छे नंबर से पास हुई थी। आत्महत्या क्यों की है इसको लेकर जांच की जा रही है। उसके मोबाइल फोन की जांच के बाद और परिजनों के बयान के बाद

सिरोंज में बिजली कर्मचारियों को मिले गनर

सहायक अभियंता बोले- सुरक्षा मिलने से वे निडर होकर काम कर रहे

सिरोंज/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश बिजली वितरण कंपनी ने बिजली बकाया वसूली के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सिरोंज के सहायक अभियंता सुशील सभेले को दो गनर दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र के सहायक अभियंता को भी एक गनर उपलब्ध कराया गया है। शनिवार को कालाबाजार क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक घरेलू कनेक्शन पर स्टील फर्नीचर का अवैध कारखाना पकड़ा गया। उपयोगकर्ता कलीम के खिलाफ धारा 126 के तहत केस दर्ज किया गया है। सभेले ने बताया कि सिरोंज में बिजली का कुल बकाया 7.5 करोड़ रुपए हैं। पहले कनेक्शन चेकिंग और बकाया वसूली के दौरान लोग इकट्ठा होकर दबाव बनाते थे। कर्मचारियों को काम नहीं करने देते थे। गनर मिलने से अब कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। सहायक अभियंता ने कहा कि गनर की सुरक्षा में अब वे निडर होकर अपना काम कर पा रहे हैं। पहले भीड़ के दबाव में वापस लौटना पड़ता था। अब बकायादारों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी।



एमपी में संविदाकर्मियों के लिए नई तबादला नीति लागू: पांच साल के लिए करना होगा नया एग्रीमेंट

महिला कर्मचारियों को मिलेगी विशेष छूट

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी में अब संविदा कर्मचारियों के भी तबादले हो सकेंगे। इसके लिए कर्मचारी-अधिकारी को अपने वर्तमान पदस्थापना स्थल का एग्रीमेंट खत्म करना होगा। इसके बाद जहां उसे नई पदस्थापना चाहिए, वहां नया एग्रीमेंट करना होगा। 30 मई तक होने वाले तबादलों के लिए पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने संविदा कर्मचारियों के लिए 23 मई को यह तबादला व्यवस्था लागू की है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जॉइन करने की इस प्रक्रिया को स्थान परिवर्तन कहा जाएगा। प्रदेश में कुल ढाई लाख संविदाकर्मों हैं। अभी पंचायत विभाग ने नीति लागू की है। बाद में बाकी विभाग भी तबादला नीति लागू करेंगे।

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में अलग-अलग योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए नियुक्त संविदा कर्मचारियों को स्थान विशेष पर कार्य के लिए रखा जाता है। योजना के स्वरूप में बदलाव होने पर संविदा पर पदस्थ कर्मचारियों की सेवाएं किसी भी समय समाप्त की जा सकती हैं। वर्तमान में संविदा कर्मचारियों के पदस्थापना को संशोधित



करने की कोई नीति नहीं है, इसलिए कुछ अपवाद परिस्थितियों में विभाग के संविदा कर्मचारियों को पदस्थापना में बदलाव के लिए यह नीति तय की गई है।

इन शर्तों के आधार पर संविदा कर्मचारियों के होंगे तबादले

पदस्थापना बदलने के पहले एग्रीमेंट समाप्त किया जाएगा। नए कार्यस्थल पर नियोजता द्वारा नया संविदा कार्य सौंपा जाएगा। एग्रीमेंट की कॉपी संबंधित योजना और कार्यक्रम के राज्य कार्यालय को भेजी

जाएगी। एक बार स्थान परिवर्तन होने पर पांच साल तक परिवर्तन नहीं करा सकेगे। स्थान परिवर्तन का आदेश होने के दो सप्ताह के भीतर कर्मचारी को कार्यमुक्त करना होगा। नए स्थान पर एक सप्ताह के भीतर नए संविदा एग्रीमेंट की कार्रवाई पूरी करनी होगी। नए कार्यस्थल के लिए यात्रा या अन्य भत्ते और छुट्टी की पात्रता नहीं होगी।

जिले के भीतर ऐसे हो सकेंगे ट्रांसफर

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले के भीतर संविदा कर्मचारियों के

जा रहे हैं। बीच-बीच में मॉकड्रिल भी की जाती है। अभी कोई गाइड लाइन नहीं आई है, लेकिन सोमवार तक हम एक वार्ड भी कोविड पीडित के लिए रिजर्व करने जा रहे हैं। फिलहाल ग्वालियर में सामान्य स्थिति है।

जबलपुर में अस्पतालों को भेजा अलर्ट कोविड को लेकर जबलपुर में अलर्ट किया गया है। ज्वाइन डायरेक्टर हेल्थ डॉ. संजय मिश्रा का कहना है कि सरकारी अस्पतालों सहित निजी अस्पतालों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। जबलपुर जिला अस्पताल सहित मेडिकल और सिहोरा सिविल अस्पताल में स्थापित किए गए ऑक्सीजन प्लांट को हाल ही में चेक किया गया था, सब कुछ ठीक है। डॉ. संजय मिश्रा का कहना है कि अभी तक राज्य सरकार की तरफ से किसी तरह की गाइडलाइन नहीं

प्रदेश में पारेषण उपलब्धता का नया कीर्तिमान

98 प्रतिशत लक्ष्य के

मुकाबले हासिल किया

99.47 प्रतिशत

भोपाल/नवप्रदेश। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश के विद्युत क्षेत्र में ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) की अधोसंरचना के सुदृीकरण एवं विस्तारीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इसके फलस्वरूप राज्य में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) को ऐतिहासिक रूप से 99.47 प्रतिशत के उच्चतम स्तर तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त हुई है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिये निर्धारित 98 प्रतिशत लक्ष्य के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) ब7कर 99.47 प्रतिशत तक हो गई है। वर्ष 2023-24 में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) अधिकतम होने से विद्युत आपूर्ति में बाधाएँ कम होती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को निरंतर

उल्लेखनीय सुधार है, जो राज्य विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रदेश के विद्युत क्षेत्र की यह सफलता राज्य के लिए गर्व की बात है, इस उपलब्धि के लिये उन्होंने विद्युत कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। तोमर ने कहा है कि एम.पी. ट्रांसकों द्वारा किए गए नवाचारों, उन्नत तकनीकी समाधानों जैसे स्काड प्रणाली, विद्युत ग्रिडों की निगरानी और समय-समय पर रख-रखाव के चलते यह सफलता संभव हो पाई है। कंपनी द्वारा विद्युत नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमतावर्धन के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) अधिकतम होने से विद्युत आपूर्ति में बाधाएँ कम होती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को निरंतर

खंडवा में गोली मारकर फल कारोबारी की हत्या: पत्नी-बच्चों के साथ सो रहा था

वारदात से पहले हमलावर ने पड़ोस के मकानों की कुंडी लगाई

खंडवा/नवप्रदेश। खंडवा के बोरगांव बुजुर्ग गांव में शनिवार तड़के करीब 4 बजे अज्ञात हमलावर ने गोली मारकर फल व्यापारी की हत्या कर दी। घटना के समय व्यापारी में अपनी पत्नी और बेटे के साथ सो रहा था। बताया जा रहा है कि हमलावर ने घर में घुसकर गोली मारी है। परिवजन को पटाखे फूटने जैसी आवाज आई तो वह नींद से जागे। देखा तो अमीन के कान और सिर के पास से खून बह रहा था। परिवार वाले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस

मौके पर पहुंची। टीआई दिलीप देवड़ा ने बताया गोली के खोंखे के साथ पुलिस को मर्डर से जुड़े क्लू मिले हैं, लेकिन पिस्टल नहीं मिली। इसी आधार पर इन्वेस्टिगेशन चल रही है। गोली किसने और क्यों चलाई, इसको लेकर जांच की जा रही है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा भी बताया जा रहा है। हालांकि न तो परिवार ने पुष्टि की है और न ही पुलिस कुछ कह रही है।मृतक अमीन खान (35) पिता खलील के चार बच्चे हैं। अमीन बोरगांव के बाजार में फल का ठेला लगाकर व्यापार करता था। पत्नी से उसका तलाक हो गया था। कुछ महीने पहले ही वापस आकर अमीन के साथ रहने लगी थी। पुलिस के मुताबिक हत्यारे ने वारदात को अंजाम देने से पहले आसपास के मकानों में बाहर से कुंडिया



लगा दी थी, ताकि गोली चलने के बाद उसकी आवाज सुनाई देने पर कोई अपने घर से बाहर ना निकल सके। पटाखे जैसी आवाज सुनाई

देने पर लोगों की नींद खुली। बाहर आने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की लेकिन सिटकनी बाहर से लगी थी। किसी राहगीर ने

उनके दरवाजे खोले। बाहर आने पर पता चला कि अमीन की गोली मारकर हत्या हो चुकी है।

पत्नी ने तलाक लेकर दूसरा निकाह किया, फिर लौटी

परिजन के मुताबिक अमीन का निकाह गांव की ही शहनाज से हुआ था। दोनों के चार बच्चे हैं। दो बेटे और दो बेटियां। पति-पत्नी के बीच साल भर पहले अनबन चल थी। इसी के चलते अमीन ने शहनाज से तलाक ले लिया था। इस बात को करीब आठ महीने हो चुके हैं। इस दौरान शहनाज ने महाराष्ट्र के जलगांव क्षेत्र के चोपड़ा निवासी सैयद अख्तर अली से निकाह कर लिया। अख्तर के साथ शहनाज का

रिश्ता करीब तीन-चार महीने तक चला। इसके बाद शहनाज को बच्चों की याद आने लगी। उसने कोर्ट के जरिए अख्तर से तलाक ले लिया फिर वापस अमीन के पास आ गई। अमीन के घर आई शहनाज को दो महीने ही हुए थे।

पुलिस को पत्नी पर शक, थाने में पूछताछ की जा रही

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने फोरेंसिक और डॉंग स्कॉड के साथ घटनास्थल का जायजा लिया है। मौके पर हत्या से जुड़े सबूत मिले हैं। खास बात यह है कि हत्यारा मृतक के घर में घुसा तो घर का दरवाजा पूरी तरह सुरक्षित था। दरवाजे को न तोड़ गया, न